राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 02 मई 2022 वर्ष–5,अंक–96 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नोबेल पुरस्कार देने की उठी मांग

दिल्लीवालों को मई में और सताएगी भीषण गर्मी, सामान्य से ज्यादा रहेगा तापमान

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को मई महीने में भी भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने शनिवार को अनुमान जताया कि दिल्ली, यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, बिहार, झारखंड, राजस्थान में अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा। यानी रात में भी गर्म हवाओं का प्रकोप रह सकता है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. एम मोहपात्रा ने शनिवार को मई में गर्मी और बारिश का पूर्वानुमान जारी किया। उन्होंने कहा कि उत्तर पश्चिमी राज्यों, पश्चिम मध्य तथा उत्तर-पूर्व भारत के ज्यादातर हिस्सों में मई में पारा सामान्य से अधिक जबकि शेष में सामान्य से कम रहने की संभावना है। वहीं, देश के अधिकतर हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने के आसार हैं। मोहपात्रा ने कहा कि अप्रैल में गर्म हवाओं के कारण देश के मध्य व उत्तर पश्चिमी हिस्सों में दर्ज तापमान पिछले 122 सालों में सबसे अधिक रहा। उत्तर पश्चिम हिस्से में औसत अधिकतम तापमान 35.90 और मध्य में 37.78 डिग्री दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक, मार्च और अप्रैल में मध्य हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहा। दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश में तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। इससे पहले मार्च 2022 देश के साथ-साथ उत्तर पश्चिम भारत के लिए 122 वर्षों में सबसे गर्म था। विभाग के मुताबिक, मई में पूरे महीने अधिकतम तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार बने हुए हैं। हालांकि, बीच-बीच में धूल भरी आंधी और मामूली बौछारें तापमान एक-दो डिग्री जरूर कम करेंगी। इस बीच, शनिवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक गर्म जगह खेल परिसर रही। यहां सबसे अधिक तापमान 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मुफ्त राशन स्कीम पर बीएसई के सीईओ ने सरकार की तारीफ की

नई दिल्ली। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नोबेल पुरस्कार देने की मांग उठने लगी है। बॉम्बे एक्सचेंज के सीईओ आशीष चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नोबेल पुरस्कार देने पर विचार किया जाना चाहिए। बीएसई के सीईओ ने इसके लिए कोविड-19 के दौरान सरकार की उपलब्धियों को सराहा, साथ उन्होंने कहा कि देश में कोरोना काल में गरीबों को मिली मानवीय सहायता के लिए हमें भारतीय होने के नाते गर्व है।

हम सरकार के आभारी हैं

बॉम्बे एक्सचेंज के सीईओ आशीष चौहान ने कहा कि कोविड-19 के दौरान सरकार की तरफ से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया। हमें सभी सुविधा देने के लिए सरकार का आभारी हूं। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है, जिसे हम ही नहीं बल्कि दुनिया ने भी माना है। इस दौरान उन्होंने बीते साल नोबेल पुरस्कार पाने वाले संयुक्त राष्ट्र वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और सरकार के प्रयासों की तुलना की।

बॉम्बे एक्सचेंज के सीईओ आशीष चौहान ने आगे कहा कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तौर पर पहचानी जाने वाली मुफ्त राशन स्कीम ने भारत के गरीब नागरिकों को अराजकता और दुख से बचाया है।

बीते शुक्रवार को उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कलकत्ता के दीक्षांत समारोह में कहा कि कोरोना महामारी को दौरान 80 करोड़ लोगों को जिस फ्री राशन योजना ने फायदा पहुंचाया वह पिछले साल नोबेल पुरस्कार पाने वाली यूनाइटेड नेशन के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की तरफ से किए गए कार्यों से काफी ज्यादा बड़ी थी। उन्होंने इशारों में पीएम मोदी को नोबेल पुरस्कार देने की मांग की।

इस स्कीम ने भारत को अराजकता से बचाया

बॉम्बे एक्सचेंज के सीईओ आशीष चौहान ने आगे कहा कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तौर पर पहचानी जाने वाली मुफ्त राशन स्कीम ने भारत के गरीब नागरिकों को अराजकता और दुख से बचाया है। उन्होंने कहा कि दो साल तक जितने लोगों को मुफ्त भोजन दिया गया, उनकी संख्या पूरे यूरोप या अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा या पूरे दक्षिण अमेरिकी देशों से ज्यादा थी। जो कि अपने आप में अद्भुत है।

कोयले की कमी के कारण बिजली संकट ने तोड़ा 6 साल का रिकॉर्ड, इन राज्यों का हाल बेहाल

नई दिल्ली। देश में भीषण गर्मी के बीच कोयले के संकट से बिजली संकट गहरा गया है। पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपरेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते छह वर्षों में पहली बार इस तरह का बिजली संकट हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार देश में अप्रैल-2022 के पहले 27 दिन में मांग की तुलना में 1.88 बिलियन यूनिट बिजली का संकट रहा है जिसने बीते छह साल के बिजली संकट के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को देश में 2,07,11 मेगावॉट बिजली की मांग रही जिसने अबतक के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। 26 अप्रैल को बिजली आपूर्ति की तुलना में मांग इतनी अधिक हो गई थी कि देश में 8.22 गीगावॉट बिजली का संकट हो गया था। ऊर्जा मंत्रालय की मानें तो इस वर्ष मार्च में बिजली की मांग में 8.9 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यही नहीं मंत्रालय का कहना है कि बिजली की मांग ऐसे ही जारी रही तो मई- जून में बिजली की मांग 215 से 220 गीगावॉट हो सकती है।

इन राज्यों में बिजली कटौती सबसे अधिक

कोयला संकट के कारण हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर समेत अन्य राज्यों में बिजली का संकट अधिक है। मालूम हो कि पिछले साल अक्तूबर में भी इसी तरह का बिजली संकट गहराया था। हालांकि इस बार स्थिति ज्यादा गंभीर हो गई है क्योंकि देश के अधिकतर राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में संकट के कारण कई घंटों की कटौती की जा रही है। ओडिशा में कोयले के अभाव में एनटीपीसी का एक संयंत्र बंद है जिससे 800 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होता है।

25 फीसदी से कम कोयले का भंडार

बिजली संकट पर कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ का दावा है कि देश के 173 ऊर्जा संयंत्रों में से 106 के पास 25 फीसदी से कम कोयले का भंडार है। देश में रोजाना 22 लाख टन कोयले की जरूरत है और आपूर्ति सिर्फ 16 लाख टन हो रही है। नतीजा ये है कि हाल के सप्ताह में रोजाना औसतन 16,035 मेगावॉट बिजली की मांग हो रही है जबकि आपूर्ति सिर्फ 2304 मेगावॉट की हो रही है। यही कारण है कि मांग की तुलना में यूपी में नौ, हरियाणा में 7.7 और उत्तराखंड में 7.6 फीसदी बिजली संकट है।

लखीमपुर खीरी में फिर बड़े प्रदर्शन की तैयारी ! 5 मई को जुट रहे हैं 4 राज्यों के किसान

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में एक बार फिर किसान नेता जुटने वाले हैं। भारतीय किसान यूनियन ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले यूनियन 5 मई को लखीमपुर खीरी पहुंच रहे हैं। बीते साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर में किसानों की मौत के बाद हिंसा भड़क गई थी। उस दौरान कुल 8 लोगों की मौत हो गई थी। बीकेयू का कहना है कि किसान मृतकों को इंसाफ दिलाने के लिए लखीमपुर पहुंच रहे हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, भारतीय किसान यूनियन (पंजाब) के महासचिव हरिंदर सिंह लाखोवाल ने कहा कि स्यरू के बैनर तले किसान यूनियन बीते साल मारे गए किसानों को इंसाफ सुनिश्चित करने के लिए 5 मई को लखीमपुर खीरी पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब से किसान 4 मई को रवाना होंगे और रास्ते में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों के साथ लखीमपुर खीरी जाएंगे।

लखीमपुर मामले में नया क्या

लखीमपुर खीरी की घटना में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा का नाम आरोपी के तौर पर सामने आया था। फरवरी में इलाहबाद उच्च न्यायालय ने मिश्रा को जमानत दे दी थी, लेकिन अप्रैल में ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए मिश्रा की जमानत रद्द कर दी थी। साथ ही आरोपी को एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने के लिए भी कहा गया था। इसके बाद मिश्रा ने 24 अप्रैल को सरेंडर कर दिया था।

किसानों को राहत, गेहूं खरीद में खत्म की आधार सत्यापन की अनिवार्यता

दरअसल, लखीमपुर खीरी घटना के दौरान जान गंवाने वालों के परिजनों ने जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। घटना के बाद मिश्रा को 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

बीते साल अक्टूबर में लखीमपुर खीरी में चार किसानों समेत 8 लोगों की मौत हो गई थी। मिश्रा ने केंद्र के कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों पर कथित तौर पर गाड़ी चढ़ा दी थी। घटना की जांच के लिए शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज राकेश कुमार जैन की अगुवाई में समिति गठित की थी।

12-14 वर्ष के आयुवर्ग में 60 फीसद से अधिक लाभार्थियों को मिल चुकी पहली खुराक

नई दिल्ली। देश में घातक कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ जंग जारी है। पिछले साल जनवरी माह से शुरू कोरोना वैक्सीनेशन अभियान के तहत अब 5 साल से ऊपर के बच्चों के लिए भी वैक्सीनेशन की मंजूरी मिल चुकी है। वहीं देश में 60 फीसद से अधिक 12 से 14 साल के बच्चों व किशोरों को वैक्सीन की पहली खुराक मिल चुकी है। यह आंकड़ा केंद्र की ओर से जारी किया गया है। 12-14 वर्ष के आयुवर्ग में 60 फीसद से अधिक लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शनिवार को दी। मंडाविया ने ट्वीट कर कहा, 12-14 आयुवर्ग में 60 फीसद से अधिक बच्चों व किशोरों को कोरोना वैक्सीन का पहला डोज मिल चुका है। वैक्सीन ले चुके सभी युवा मित्रों को बधाई। हमें आप सब पर गर्व है! चलिए इस अभियान को जारी रखते हैं! रविवार सुबह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में कोरोना वैक्सीनेशन का आंकड़ा 188.89 करोड़ से अधिक हो चुका है।

होम आइसोलेशन में मरीजों का आंकड़ा पहुंचा चार हजार के पार, दिल्ली में 5.10 हुई संक्रमण दर; एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के 1520 नए मरीज मिले। ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 1412 रही। जबकि कोरोना के चलते एक की मौत हो गई। वहीं होम आइसोलेशन में मरीजों का आंकड़ा चार हजार को पार कर गया। शनिवार को जारी कोविड-19 स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार बीते 24 घंटे में 29775 लोगों की जांच की गई। जिसमें आरटीपीसीआर से 20116 और रैपिड एंटीजन टेस्ट से 9659 लोगों की जांच हुई। कोरोना संक्रमण की जांच दर 5.10 फीसदी रही। कोरोना को लेकर अब तक 37854580 सैंपल की जांच हो चुकी है। होम आइसोलेशन में कोरोना के 4044 मरीजों का उपचार जारी है। जबकि अस्पताल में कोरोना संक्रमित व संदिग्ध मरीज मिलाकर कुल 154 मरीज इलाज के लिए भर्ती है। जिसमें दो संदिग्ध मरीज है। कोविड केयर सेंटर और कोविड हेल्थ सेंटर में एक भी मरीज नहीं है। ऑक्सीजन सपोर्ट पर मरीजों की संख्या 49 है।

कोरोना को लेकर अब तक 37854580 सैंपल की जांच हो चुकी है। होम आइसोलेशन में कोरोना के 4044 मरीजों का उपचार जारी है। जबकि अस्पताल में कोरोना संक्रमित व संदिग्ध मरीज मिलाकर कुल 154 मरीज इलाज के लिए भर्ती है।

आईसीयू में 48 मरीज और वेंटिलेटर पर दो मरीज भर्ती है। अलग-अलग अस्पतालों में 9432 बेड खाली है। दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 769 हो गई। कोरोना के कुल 1883075 मामले सामने आ चुके है। जिसमें 1851184 मरीजों ने कोरोना को मात दी और कुल संक्रमण दर 4.97 फीसदी है। साथ ही 26175 लोगों की कोरोना के चलते मौत हो गई। जबकि कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 5716 हो गई है।

40 हजार से अधिक लगी वैक्सीन डोज

बीते 24 घंटे में 40132 वैक्सीन की डोज लगाई गई। जिसमें पहली डोज लेने वाले लोगों की संख्या 5605 और दूसरी डोज वालों की संख्या 20384 रही। जबकि 14143 बीते 24 घंटे में प्रिकोशन डोज ली। वहीं अभी तक 15-17 वर्ष आयु के किशोरों को 1774653 वैक्सीन की डोज और 18 या उससे अधिक वालों को 729881 को प्रिकोशन (बूस्टर) डोज लगी है।

बिजली समस्या में सुधार दिखने में लग सकते हैं दस दिन, स्थिति से निपटने में केंद्र का सारा सिस्टम हुआ सक्रिय

नई दिल्ली। देश में बिजली की मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने में हफ्ते भर से लेकर दस दिन तक का समय लग सकता है। बिजली की रिकार्ड मांग से उपजी स्थिति से निपटने में केंद्र सरकार का सारा सिस्टम सक्रिय हो चुका है। तापीय बिजली घरों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाई गई है तो कोयला ढुलाई के लिए ज्यादा रेक भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ज्यादा कीमत की परवाह किए बगैर राज्यों को बाहर से कोयला आयात करने को कहा गया है। आयात आधारित तापीय बिजली घरों में ज्यादा उत्पादन हो भी रहा है। केंद्र ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे अपना दायित्व निभाते हुए कोयला कंपनियों के साथ ही बिजली कंपनियों की बकाया राशि का जल्द से जल्द भुगतान करें। इसके बावजूद हालात को संभालने में 10 दिन का समय लग सकता है।

गैर भाजपा शासित राज्यों का लचर रवैया

बिजली मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि बिजली संयंत्रों को कोयला आपूर्ति को लेकर कुछ समस्याएं निश्चित तौर पर पैदा हुई हैं लेकिन हालात काबू में ही रहेंगे। दस दिन के भीतर स्थिति काफी हद तक ठीक हो जाएगी। हालांकि बिजली की काफी ज्यादा मांग को देखते हुए पूरे सिस्टम को सतर्क रहना होगा। बिजली मंत्रालय ने राज्यों अपना सिस्टम ठीक करने को कहा है। खास तौर पर उन्हें डिस्काम की तरफ से बिजली कंपनियों के बकाये का भुगतान करने को कहा गया है। डिस्काम पर ज्यादा बकाये की वजह से कई राज्य कोयला नहीं खरीद पा रहे हैं। अभी डिस्काम पर बिजली संयंत्रों का 1,05,000 करोड़ रुपये का बकाया है। इसमें तमिलनाडु पर 21,336 करोड़, आंध्र प्रदेश पर 9292 करोड़, राजस्थान पर 11,255 करोड़ और तेलंगाना पर 7,383 करोड़ का बकाया है। मौजूदा समय में इन सभी राज्यों में बिजली समस्या ज्यादा है। इन राज्यों के थर्मल पावर प्लांट को कोयले की आपूर्ति भी बाधित हो रही है क्योंकि ये समय पर कोयला खरीद का आर्डर नहीं कर पा रहे।

भुगतान में भी फिसड्डी गैर भाजपा शासित राज्य

यही स्थिति कोयला कंपनियों के बकाये को लेकर है। कुछ समय राज्यों पर 15,600 करोड़ रुपये का बकाया था। लेकिन पिछले एक पखवाड़े में कुछ राज्यों ने भुगतान किया है लेकिन फिर भी अभी 7,918 करोड़ रुपये का बकाया है। इसमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र पर 2,591.45 करोड़, बंगाल पर 955.44 करोड़, झारखंड पर 1018.22 करोड़, तमिलनाडु पर 705 करोड़ का बकाया हैं। इस बकाये के कारण फिलहाल ये राज्य ज्यादा मात्रा में कोयला नहीं खरीद सकते। यही वजह है कि सरकार कह रही है कि, समस्या कोयले की नहीं है। बिजली संयंत्रों को रोजाना 22.5 लाख टन कोयला चाहिए, जबकि कोल इंडिया उन्हें रोजाना औसतन 17 लाख टन कोयला पहुंचा रहा है। बिजली संयंत्रों के पास औसतन नौ दिनों का कोयला है। स्थिति पिछले साल सितंबर-अक्टूबर से बेहतर है।

मई के अंत तक और बढ़ेगी मांग

सनद रहे कि 29 अप्रैल, 2022 को देश में 2.07 लाख मेगावाट बिजली की मांग रही जो अप्रैल, 2021 के मुकाबले 17.14 फीसद ज्यादा है। पिछले 40 वर्षों में बिजली की मांग में तेज वृद्धि हुई है। उम्मीद है कि मई, 2022 के मध्य या अंत तक बिजली की मांग 2.20 लाख मेगावाट तक पहुंचेगी। कोल इंडिया का कहना है कि अप्रैल, 2022 में उन्होंने 14 फीसद से ज्यादा कोयले की आपूर्ति की है। मई, 2022 में यह और ज्यादा होगी बशर्ते पर्याप्त रेलवे रेक उपलब्ध हों। बिजली मंत्रालय का कहना है कि अभी 411 रेलवे रेक उपलब्ध हैं जिनकी संख्या बढ़ कर अगले कुछ दिनों में 440 से ज्यादा हो सकती है। इससे कोयला की आपूर्ति और बढ़ जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ। - वेदव्यास

संपादकीय

कटौती की आहट

बुधवार को कोरोना संक्रमण में वृद्धि की चुनौती से मुकाबले के लिये राज्य के मुख्यमंत्रियों से प्रधानमंत्री के संवाद के लिये बैठक बुलाई गई थी। मगर बाद में इसमें पेट्रोलियम पदार्थों की महंगाई का मुद्दा हावी हो गया। प्रधानमंत्री का कहना था कि विपक्षी दलों शासित राज्य सरकारों ने केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क घटाने के बावजूद वैट में कटौती करके पेट्रोल-डीजल उपभोक्ताओं को राहत नहीं दी। इसके बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र से राजग सरकार के दौरान बढ़ाए गये उत्पाद शुल्क को घटाकर महंगाई कम करने की मांग की है। यह सर्वविदित है कि कोरोना संकट के लगभग दो वर्ष के दौरान तमाम लोगों की आय में गिरावट आई है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों को आम जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार दिखाना चाहिए। समाज में कमोबेश हर वर्ग की आय में संकुचन हुआ है। हालिया आंकड़ों के अनुसार करीब चार करोड़ लोग उच्च मध्यम वर्ग से निम्न मध्यम वर्ग में आ गये। जब तक आय के नये अवसर बनें और रोजगार संकट खत्म हो सके, तब तक सरकारों को किसी न किसी तरह राहत देने की पहल करनी चाहिए। इससे जब लोगों की आय बढ़ेगी तो वे स्वत- ही सरकार की छूट के लिये नहीं देखेंगे। राज्य सरकारों को वैट में कमी करके अपनी आय के दूसरे स्रोत तलाशने चाहिए। साथ ही जीएसटी के संग्रहण में जो छिद्र हैं उन्हें बंद करके अपनी आय बढ़ानी चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार ने बीते साल नवंबर में उत्पाद शुल्क को कम करके राज्य सरकारों से पेट्रोलियम पदार्थों पर वैट घटाने का आग्रह किया था। भाजपा शासित राज्यों ने तो इसमें अपनी सुविधा के अनुसार कमी कर दी थी, लेकिन कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों वाली सरकारों मसलन महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, झारखंड तथा तमिलनाडु ने वैट में कमी करके उपभोक्ताओं को राहत नहीं दी। जैसा कि जाहिर था कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री के बयान के बाद तीखे हमले किये। कांग्रेस ने मांग की कि पहले राजग सरकार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में भारी गिरावट के दौरान बढ़ाये गये अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को कम करके राहत दे। साथ ही दलील दी कि यूपीए शासन के दौरान हर साल एक लाख करोड़ की सब्सिडी दी जाती रही है। जवाब में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मामलों के मंत्री सरकार के बचाव में उतरे। उनकी दलील थी कि भाजपा शासित राज्यों के मुकाबले दूसरे दलों की सरकारों में पेट्रोल व डीजल पर वैट की दर करीब दुगनी है, जिसे लोगों को राहत देने के लिये कम किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि राज्यों की सरकारों को अन्य मदों से अतिरिक्त आय जुटानी चाहिए। यह कटु सत्य है कि देश करीब अस्सी फीसदी कच्चा तेल विदेशों से मंगवाता है। फिर राज्यों के पेट्रोल पंपों के जरिये इसकी खुदरा बिक्री होती है। लेकिन कड़वी हकीकत यह है कि मूल खरीद मूल्य के मुकाबले करीब दुगने मूल्यों पर इसकी खुदरा बिक्री होती है। दरअसल, पेट्रोलियम पदार्थों के मूल दाम में उत्पाद शुल्क, वैल्यू एडेड टैक्स यानी वैट मिलाकर इसकी अंतिम कीमत का निर्धारण होता है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाला वैट राज्य सरकारों की आय का मुख्य जरिया है। साथ ही अन्य मुख्य आय स्रोतों में शराब व संपत्ति पर लगने वाला कर है। जीएसटी से पहले आय केंद्र को होती है और फिर राज्यों को उनका हिस्सा दिया जाता है, जिसके बंटवारे व समय पर न मिलने को लेकर केंद्र व राज्यों में लगातार तनातनी रही है। सही मायनों में पेट्रोलियम पदार्थों की आर्थिकी को राज्य अपनी कामधेनु मानते हैं और इसमें कटौती को आसानी से तैयार नहीं होते।

सहयोग ही दक्षिण-पूर्व एशिया का संकटमोचन

जी. पार्थसारथी

भारत के दो पड़ोसी देश, श्रीलंका और पाकिस्तान इस वक्त गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए उन्हें भारी विदेशी सहायता की जरूरत है। ठीक इसी समय खुशी की बात है कि आजादी की 50वीं वर्षगांठ मना रहा बांग्लादेश दक्षिण एशिया में सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बन गया है। वर्ष 2022 के लिए अर्थव्यवस्था में 7.5 फीसदी वृद्धि दर पाकर बांग्लादेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विश्व में सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में एक माना जा रहा है। बांग्लादेश का वस्त्र-निर्यात देश की सकल निर्यात कमाई का 80 प्रतिशत है। हालिया सालों में उसके कुछ अन्य उद्योग जैसे कि प्राकृतिक गैस, दवा उद्योग, स्टील और खाद्य प्रसंस्करण में हुए विस्तार के कारण इन क्षेत्रों में भी विदेशी निवेश बढ़ा है। बांग्लादेश ने श्रीलंका से साथ 20 करोड़ डॉलर मूल्य का करंसी-स्वैप मंजूर किया है। बिमस्टेक संगठन का आखिरी शिखर सम्मेलन 30 मार्च को कोलंबो में हुआ था, जहां परस्पर क्षेत्रीय सहयोग बनाने के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं उलीकी गयी हैं, अलबत्ता परियोजनाओं के लिए धन का इंतजाम करना समस्या है। लेकिन सारे इलाके में चीन के बढ़ते प्रभाव और उपस्थिति के बीच बंगाल की खाड़ी के मुल्कों के बीच आपसी क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार को लेकर पहली तरजीह जारी रहेगी। पिछले महीनों में श्रीलंका को एक के बाद एक समस्याओं से दो-चार होना पड़ा है, जिसकी वजह से और कोविड संबंधित कारणों से पर्यटन से होने वाली लगभग सारी आय जाती रही। अरब की खाड़ी के मुल्कों से श्रीलंकाई कामगारों द्वारा भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा में भी बहुत कमी आई है। हालांकि बहुत से श्रीलंकाइयों को विश्वास है कि उनकी समस्याएं मुख्य रूप से राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे और उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे सहित राज करने वाले कुलीनों की गलतियों और अदूरदर्शिता का नतीजा है। वर्ष 2021 में राजपक्षे सरकार द्वारा रासायनिक खाद के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने से इनमें एक नाराजगी और जुड़ गई। इस कदम से फसल उत्पादन में भारी कमी हो गई, खासकर चावल में। इससे देशभर में राष्ट्रव्यापी आंदोलन और भड़क उठा, लोग सरकार पर अर्थव्यवस्था के कथित कुप्रबंधन का आरोप मढ़ रहे हैं। इसी बीच यह चिंता बनी हुई है कि नकदी का बेतरह टोटा सह रहे श्रीलंका को भविष्य में चीन के प्रभाव के कारण हम्बनतोता बंदरगाह में चीनी सैन्य अड्डा बनाने की मंजूरी न देनी पड़ जाए। इस बंदरगाह का विकास चीनी मदद से हुआ है। भारत ने जापान के साथ मिलकर कुशलतापूर्वक उपाय किए हैं ताकि कोलंबो बंदरगाह, जहां से होकर काफी मात्रा में भारतीय माल आगे जाता है, उसपर चीन का एकाधिकार या दबदबे वाला नियंत्रण बनने न पाए। हाल ही में एक 35 वर्षीय संधि में कोलंबो बंदरगाह के विस्तार कार्य में श्रीलंका पोर्ट अथॉरिटी को साथ रखकर भारत के अडानी ग्रुप के पास 51 फीसदी हिस्सा रहेगा। इस परियोजना के लिए धन जापान देगा। यह सुविधा चीन की मदद से चल रहे कोलंबो इंटरनेशनल कन्टेनर पोर्ट टर्मिनल के एकदम साथ सटी हुई है। कोलंबो बंदरगाह पर कुल नौवहनीय आवागमन का लगभग 75 फीसदी भारत से आने-जाने वाली वस्तुओं का है। महत्वपूर्ण है कि श्रीलंका सरकार अपनी वित्तीय चुनौतियों से उबरने की खातिर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से दीर्घकालीन इंतजाम के लिए वार्ता जारी रखे हुए है। भारत ने इस संस्था से श्रीलंका की मदद जल्द करने का आग्रह किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी अमेरिका यात्रा में श्रीलंका को फौरी सहायता करने के लिए भावपूर्ण आह्वान किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी श्रीलंका के साथ अपनी बातचीत को 'फलदायक तकनीकी वार्ता' बताया है। कोलंबो के सूत्रों के मुताबिक, जब से भारत ने श्रीलंकाई सरकार के साथ मिलकर और वित्तीय सहायता करके इस संकट की घड़ी में सहायता का यत्न किया है इन गतिविधियों को गति मिली है। इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट बैंक ऑफ इंडिया और श्रीलंका सरकार ने संयुक्त रूप से 2 फरवरी, 2022 के दिन पेट्रोलियम पदार्थ की खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर मूल्य के लाईन ऑफ क्रेडिट समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, 10 खेपों में कुल 4 लाख टन ईंधन अभी तक श्रीलंका भेजा गया है। इसके अलावा इस साल जनवरी में भी, भारत ने श्रीलंका की वित्तीय मदद की थी, जिसके अंतर्गत 40 करोड़ डॉलर मूल्य का करंसी-स्वैप, एशियन क्लीयरिंग यूनियन के बकाए में पहले 51.5 करोड़ डॉलर और फिर 49.9 करोड़ डॉलर के भुगतान को टालना मंजूर किया। दीर्घ कालीन सहायता में, भारत ने वर्ष 2022 की पहली तिमाही में श्रीलंकाई नागरिकों की मदद हेतु 3 बिलियन डॉलर मूल्य की राहत प्रदान की है। बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के मुल्कों में श्रीलंका के साथ भारत के रिश्ते प्राकृतिक रूप से शांति और सुरक्षा से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए संतोषजनक है कि पूरबी पड़ोसियों में बांग्लादेश और म्यांमार के साथ हमारे संबंध मजबूत बने हुए हैं। म्यांमार के साथ भारत की 1640 किलोमीटर लंबी किंतु विद्रोही गतिविधियों से ग्रस्त साझी सीमा रेखा है। सीमा की संवेदनशीलता और म्यांमार तक चीन की पहुंच होने के कारण भारत ने उसकी सैन्य सरकार के साथ निकट संबंध बनाए हुए हैं। यह नीति हमारे लिए लाभप्रद है क्योंकि इससे सीमा पार से अभियान चलाने वाले विद्रोहियों से निबटने में काफी मदद मिलती है। इन गुटों के सदस्य म्यांमार से होकर चीन के युन्नान प्रांत में आते-जाते हैं। इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति की वजह से भारत ने सीमांत सड़कें और बंदरगाह बनाने में म्यांमार की मदद की है। ये कदम हमारी उत्तर-पूरबी सीमाओं को स्थिर एवं शांतिपूर्ण रखे हुए हैं। कोई हैरानी नहीं कि पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते आईएसआई द्वारा सशस्त्र अलगाववादियों को मदद जारी रखने की हरकत से जुड़े हुए हैं, खासकर जम्मू और कश्मीर में। हालांकि पिछले सालों में, कुछ वक्त ऐसा भी रहा जब पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले मंसूबों को घटाया था। मौजूदा सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा की इस साल अक्तूबर माह में होने वाली सेवानिवृति के बाद भी क्या यही नीति जारी रहेगी या नहीं, यह देखना बाकी है। इमरान खान का रिकॉर्ड सशस्त्र अलगाववादियों का मददगार रहने वाला रहा। इसी बीच नए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने मुल्क की आर्थिक प्रगति को उच्चतम तरजीह देना तय किया है और हो सकता है इसके लिए वह भारत के साथ व्यापार, आर्थिक और नागरिक स्तर पर आपसी आदान-प्रदान करने के रिश्ते बनाने के खिलाफ न हों। तथापि वे खुद अगले साल अक्तूबर में होने वाले आम चुनाव तक सत्ता में रह पाते हैं या नहीं, यह वक्त बताएगा। इमरान खान जो भी चुनौतियां देने में समर्थ हैं या देंगे, उन्हें हल्के में न लें। कोविड महामारी से पेश चुनौती का सामना करने में तमाम दक्षिण एशियाई मुल्कों को गंभीर दिक्कतें हो रही हैं। कोविड एक या अन्य रूप में अनिश्चितकाल के लिए जारी रहने वाला है। भारत अपने तमाम जरूरतमंद पड़ोसियों की मदद बेहतर ढंग से वैक्सीन की आपूर्ति और आवंटन के जरिए कर सकता है। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान मलिक ने समझदारी दिखाते हुए कहा है कि यदि पाकिस्तान को मजबूत होना है तो अलग-थलग रहने की बजाय वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ कदमताल करनी होगी। उम्मीद करें कि शाहबाज शरीफ भारत के साथ रिश्ते रखने में इस नेक सलाह पर अमल करेंगे।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

स्कूलों की उस दुत्कार ने उनकी जिंदगी बदल डाली

भूमिका श्रेष्ठ, नेपाली समाजसेवी

कोई भी वर्जना जब टूटती है, तब इंसानियत मुस्कराती है। इनको तोड़ने के लिए कितनी गहरी प्रतिबद्धता चाहिए, यह राजा राममोहन राय, मोहनदास करमचंद गांधी जैसे महानायकों में कोई बहुत आसानी से देख सकता है। मगर इस दुनिया में ऐसे अनेक गुमनाम नायक-नायिका हुए; होते रहे हैं, जो अपने प्रयासों से इस धरती को कुछ और सुंदर, कुछ और करुण, कुछ और मानवीय बनाकर विदा हो जाते हैं। कनाडा के तरक्कीपसंद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडेव शुक्रवार को जब अपने देश में समलैंगिक समुदाय के रक्तदान पर लगी रोक हटा रहे थे, तब अनायास ही नेपाल की भूमिका श्रेष्ठ का अक्स जेहन में उभर आया। थर्ड जेंडर के लिए भूमिका के संघर्ष को देखते हुए अमेरिका ने उन्हें दुनिया की साहसी महिलाओं में गिना है। जनवरी 1988 में काठमांडू के एक आम मध्यवर्गीय परिवार में उनका जन्म हुआ। पिता कुमार श्रेष्ठ और मां नुमाया बहुत खुश थे कि उनके घर बेटे की आमद हुई है। रूढ़िवादी समाज ने उन्हें यह गर्व थमाया था। शिशु का नाम कैलाश रखा गया। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती गई, कैलाश के हाव-भाव लड़कियों के ज्यादा करीब पाए गए। उलझन बढ़ती जा रही थी। जो नहीं हैं, उसका किरदार तो कुछ पलों के लिए कोई भी कुशल कलाकार निभा जाए, मगर दिन-रात उसको जीना बेहद मुश्किल था। कोई कैलाश की मन:स्थिति समझ नहीं रहा था। सब उसे बस यही सांत्वना देते कि ये वक्ती बदलाव हैं, बड़े होने पर सब कुछ सामान्य हो जाएगा। लेकिन न ऐसा होना था, न हुआ। कैलाश लड़के की पहचान के साथ असहज ही रहे। हर मध्यवर्गीय नेपाली अभिभावक की तरह उनके माता-पिता भी यही चाहते थे कि कैलाश एक लायक बेटे की तरह विदेश जाएं और परिवार के लिए धन कमाएं। लेकिन कैलाश के लिए एक अस्वाभाविक जीवन जीना मुश्किल होता जा रहा था। फब्तियों, दुर्व्यवहारों और उपेक्षाओं से किशोर मन बुरी तरह आहत हो उठा था। स्कूल में भी शिकायतें बढ़ने लगी थीं और आखिरकार एक दिन प्रिंसिपल ने साफ-साफ कह दिया कि वह लड़कियों के साथ नहीं खेलें। लेकिन कैलाश तो उनके बीच ही सहज थे, चाहकर भी खुद को बदलना उनके लिए मुश्किल था। नतीजतन, नौवीं कक्षा में उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। कहा गया, स्कूल में 'थर्ड जेंडर' के दाखिले की कोई व्यवस्था ही नहीं है। इसकी सोहबत में बच्चे बिगड़ेंगे। जिस समाज में मां-बाप ऐसी संततियों की पहचान छिपाने के सारे जतन करते हों, यहां तक कि उन्हें त्याग देते हों, वहां कैलाश की मां ने हमेशा उनका साथ दिया। वह उनको लेकर कई स्कूलों में गईं, ताकि कैलाश की तालीम मुकम्मल हो सके। उनकी संतान के पास कोई तो डिग्री हो, जिससे उसकी जिंदगी शायद कुछ आसान हो जाए। मगर हर जगह निराशा मिली। कोई भी विद्यालय थर्ड जेंडर को दाखिला देने को तैयार नहीं था। नतीजतन, नौवीं कक्षा में ही पढ़ाई छूट गई, लेकिन मां ने साथ नहीं छोड़ा। स्कूलों से मिली इस दुत्कार ने कैलाश की पूरी भूमिका बदल दी। उन पीड़ादायक पलों में उन्होंने यही सोचा कि आखिर उनके जैसे लोग भी तो इंसान ही हैं, अन्य नेपाली नागरिकों को मिले अधिकारों से उन्हें क्यों वंचित किया गया है? वे क्यों नहीं पढ़ सकते? उन्हें नौकरी क्यों नहीं मिल सकती? उनके नाम से जमीन की रजिस्ट्री क्यों नहीं हो सकती? औरों की तरह उन्हें भी गरिमामयी जिंदगी जीने का हक है! इस सवालों ने कैलाश को उद्वेलित कर दिया था, वह लैंगिक अल्पसंख्यकों के संगठन 'ब्लू डायमंड सोसायटी' से जुड़ गए। कैलाश ने अपनी वास्तविक पहचान की जंग लड़नी शुरू की। कैलाश दफ्न हो चुका था, अब भूमिका की भूमिका जीवंत हो चुकी थी। सत्ता और समाज को इस तीसरे वर्ग के प्रति संवेदनशील बनाने का काम आसान नहीं था। लोग उन्हें हेय नजरों से देखते थे। 'ब्लू डायमंड सोसायटी' के बैनर तले अगर किसी संगोष्ठी में लोगों को बुलाया जाता, तो लोग कतराकर निकल जाते कि कहीं वे भी ट्रांसजेंडर न बन जाएं। लेकिन भूमिका और उनके साथियों को तो दुत्कारों और तिरस्कारों से ही लड़ना था। धैर्य के साथ वे अपनी बात रखते रहे और आखिरकार बदलाव की बयार बही। बकौल भूमिका, 'नेपाली समाज में थर्ड जेंडर की अब अधिक स्वीकृति है।' अपनी नागरिकता पहचान-पत्र में थर्ड जेंडर की शिनाख्त के लिए उन्होंने जो लड़ाई शुरू की थी, 2007 में नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने उसके हक में फैसला दिया। अदालत ने साफ कहा कि एक नागरिक की पहचान थर्ड जेंडर के रूप में हो सकती है। काफी लंबी जद्दोजहद के बाद भूमिका के नागरिकता पहचान-पत्र पर उनकी असली लैंगिक पहचान दर्ज हुई। इस कामयाबी ने उन्हें नई उड़ान भरने का आत्मविश्वास दिया। वह पहली नेपाली नागरिक हैं, जिन्होंने पासपोर्ट पर थर्ड जेंडर पहचान के साथ विदेश की उड़ान भरी। उनकी टीम इस वर्ग के 35 हजार लोगों की मदद कर चुकी है। बचपन से ही नृत्य-निर्देशक बनने के ख्वाब संजोने वाली भूमिका ने आखिरकार कला के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई। कई डॉक्यूमेंट्री बना चुकी भूमिका नेपाली फिल्मों में भी अभिनय करती हैं। साल 2010 से वह नेपाली कांग्रेस की सक्रिय सदस्य हैं। कोरोना महामारी के दौरान पिछले साल उन्होंने अपने समुदाय को सरकार से काफी राहत दिलाई थी। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, उस समय भारत में इस समुदाय के लगभग पांच लाख लोग थे। उन्हें देश की अदलिया ने तमाम सांविधानिक अधिकार दिए हैं, मगर समाज ने उन अधिकारों का कभी दिल से सम्मान नहीं किया। इसके लिए इस समुदाय को अभी काफी लंबी लड़ाई लड़नी है। ऐसे में, इस वर्ग की जंग में जस्टिन ट्रुडेव, जो बाइडन जैसे अधिकार संपन्न राजनेताओं के प्रयास तो सराहनीय हैं ही, भूमिका श्रेष्ठ जैसों का संघर्ष भी कम वंदनीय नहीं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

आज के कार्टून

मनुष्यता

श्रीराम शर्मा आचार्य

भगवान ने मनुष्य के साथ कोई पक्षपात नहीं किया है, बल्कि उसे अमानत के रूप में कुछ विभूतियां दी हैं, जिनको सोचना, विचारणा, बोलना, भावनाएं, सिद्धियां-विभूतियां कहते हैं। ये सब अमानतें हैं। ये मनुष्यों को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं कमाए और स्वयं के लिए एय्याशी या विलासिता के साधन इकट्ठे करे और अपना अहंकार पूरा करे। ये सारी की सारी चीजें सिर्फ इसलिए उसको दी गई हैं कि इन चीजों के माध्यम से वो जो भगवान का इतना बड़ा विश्व पड़ा हुआ है, उसकी दिक्कतें और कठिनाइयों का समाधान करे और उसे अधिक सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न करे। इसलिए जो कुछ भी उसको विशेषता दी गई है, उसको उतना बड़ा जिम्मेदार आदमी समझा जाए और वह जिम्मेदारी उस रूप में निभाए कि सारे के सारे विश्व को सुंदर बनाने में, सुव्यवस्थित बनाने में, समुन्नत बनाने में उसका महान योगदान संभव हो। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है-निःस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कंप्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, आंख, वाणी एक से एक चीज ऐसी हैं, जिनकी रु पयों में कीमत नहीं आंकी जाती। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और समर्थ मनुष्य-जिस भगवान ने बनाया है, उस भगवान की जरूर आकांक्षा रही है कि मेरी इस दुनिया को समुन्नत-सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में, कर्मचारी के रूप में, असिस्टेंट के रूप में, राजकुमार के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं का और भगवान के द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और भी उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले और समझ ले, 'मैं क्यों पैदा हुआ हूं, और मैं पैदा हुआ हूं तो मुझे अब क्या करना चाहिए?' यह बात समझ में आ जाए, तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, और इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान का उदय हो गया और भगवान की वाणी उदय हो गई, भगवान की विचारणाएं उदय हो गई।

सू-दोकू नवताल - 2105

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

सू-दोकू 2104 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2105

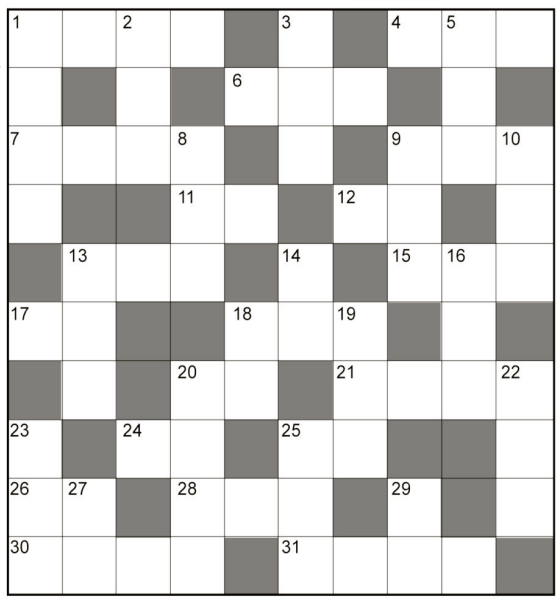

बायें से दायें:-

1. 'वादियां मेरा दामन' गीतवाली फिल्म-4
4. 'बेचारा दिल क्या करे' गीत वाली जीतेन्द्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
6. संजय दत्त, काजोल की 'प्यार को हो जाने दो' गीत वाली फिल्म-3
7. 'मुसाफिर हूं यारो' गीत वाली संजीव कुमार, जया भादुड़ी की फिल्म-4
9. रणधीर कपूर, रेखा की 'दिल मचल रहा है' गीत वाली फिल्म-3
11. 'फिल्म प्यार इश्क और मोहब्बत' में ईशा नायर की भूमिका किसने की है-2
12. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
13. 'लम्हा लम्हा टूट गए' गीत वाली सोहेल खान, स्नेहा की फिल्म-3
15. नवीन, आशा पारेख की 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली फिल्म-3
17. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
18. विश्वजीत, बबीता की 'आंखों में कयामत के काजल' गीत वाली फिल्म-3
20. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली आमिर, फैजल खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
21. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-4
24. 'आ जा रे ओ मेरे दिलबर आजा' गीत वाली फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
25. फिल्म 'अग्निपथ' में मिथुन चक्रवर्ती के किरदार का नाम क्या था-2
26. सनी, त बू, रीमा सेन की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
28. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-3
30. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महिपाल, संध्या की फिल्म-4
31. धर्मेंद्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'है इसी में प्यार की आबरू' गीत वाली धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की फिल्म-4
2. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'जिसे जलवों की हसरत हो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'बत्तो तेरी अंखियां' गीत वाली सनी देओल, जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की फिल्म-3
5. शशि कपूर, राखी की 'खिलते हैं गुल यहां खिल के बिखर जाने को' गीत वाली फिल्म-3
8. 'गर तुम भुला ना दोगे सपने ये सच ही होंगे' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
9. नासिर खान, मधुबाला की 'ऐ चांद प्यार मेरा तुझसे ये कह रहा' गीत वाली फिल्म-3
10. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
13. जैकी श्रॉफ जूही, अमृता सिंह की 'गोरिया रे गोरिया रे मेरा दिल चुराके' गीत वाली फिल्म-3
14. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-2
16. दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली फिल्म-3
18. 'कुर्ते की बईयां को' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
19. शरद कपूर, पूजा भट्ट की 'घर से मस्जिद' गीत वाली फिल्म-3
20. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली फिल्म-2,2
22. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-3
23. कपिल गुप्ता, आमिर अली, महक चहल की 'आवारा बादल नहीं मैं' गीत वाली फिल्म-3
15. लोकप्रिय पॉप गीत 'मेड इन इंडिया' की गायिका-3
17. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-2
29. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2104

फि	अ	र		ध	मा	ल		स्मी	ड
दा	ग		ध	र्मा		व	क्त		कै
	र	न		त्मा		र्स		अं	त
डॉ		का	ल		स		ग	जा	
न	सी	ब		प	हे	ली		म	न
	मा		जं	ग	ली		जा		ज
सा		जी		ला		शा	न	दा	र
व	च	न		क	सू	र		दा	
रि		त		हीं		दा	वा		रा
या	दें		शि	का	र		दा	मि	नी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अप्रैल में थोक बिक्री में छह फीसदी पिछड़ी मारुति सुजुकी

-बिक्री घटकर 1,50,661 इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली । आम आदमी का कार कहलाने वाली देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की थोक बिक्री अप्रैल, 2022 में छह प्रतिशत घटकर 1,50,661 इकाई रह गई। अप्रैल, 2021 में कंपनी ने 1,59,691 वाहन बेचे थे। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि अप्रैल में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री सात प्रतिशत घटकर 1,32,248 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,42,454 इकाई थी। समीक्षाधीन महीने में कंपनी की छोटी कारों- आल्टो और एस-प्रेसो की बिक्री 32 प्रतिशत घटकर 25,041 से 17,137 इकाई पर आ गई। इसी तरह कॉम्पैक्ट खंड में कंपनी की बिक्री 18 प्रतिशत घटकर 59,184 इकाई रह गई। इस खंड में कंपनी स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसे मॉडल बेचती है। अप्रैल, 2021 में इस खंड में कंपनी की बिक्री 72,318 इकाई रही थी। मध्यम आकार की सेडान सियाज की बिक्री अप्रैल, 2021 के 1,567 इकाई के आंकड़े से घटकर 579 इकाई रह गई। हालांकि, यूटिलिटी वाहनों मसलन विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा की बिक्री 33 प्रतिशत के उछाल से 33,941 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान महीने में 25,484 वाहन रही थी। अप्रैल में कंपनी का निर्यात सात प्रतिशत बढ़कर 18,413 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान महीने में 17,237 इकाई रहा था।

कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 100 रुपए महंगा

नई दिल्ली । कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में महीने के पहले ही दिन बढ़ोतरी हो गई है ले किन फिलहाल घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को राहत मिली है। कमे र्शियल गैस सिलेंडर में 1 मई से 100 रुपए से अधिक का इजाफा देखने को मिला है। अभी पिछले महीने एक अप्रैल को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 250 रुपए का इजाफा हुआ था। वहीं 5 किलो का एलपीजी सिलेंडर 655 रुपए में मिल रहा है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार दिल्ली के लोगों को 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के लिए 2355.50 रुपए भुगतान करने होंगे। इससे पहले 2253 रुपए ही लगते थे। वहीं कोलकाता में इसकी कीमत 2351 रुपए से बढ़कर 2455 रुपए हो गई है। मुंबई में 2205 रुपए की जगह 2307 रुपए अब खर्च करने होंगे। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें बढ़कर 2406 रुपए की जगह 2508 रुपए हो गई हैं। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 949.5 रुपए है। इसके अलावा कोलकाता में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 976 रुपए, मुंबई में 949.50 रुपए और चेन्नई में बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत अब 965.50 रुपए है। वहीं लखनऊ में घरेलू रसोई गैस की कीमत 987.50 रुपए है, जबकि पटना में 14.2 किलो के रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1039.5 रुपये है।

सेबी के नए दिशानिर्देश नौ मई से लागू होंगे

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी निवेशकों के पंजीकरण प्रमाण पत्र एवं उनके नाम में बदलाव से संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के परिचालन दिशानिर्देशों में कुछ बदलाव किए हैं। सेबी ने जारी एक परिपत्र में इन बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा है कि नए दिशानिर्देश नौ मई से लागू होंगे। सेबी के परिपत्र के अनुसार, एफपीआई के पंजीकरण के प्रमाण पत्र और उनके नाम में बदलाव से संबंधित ढांचे को संशोधित किया गया है। एफपीआई के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र के संबंध में नामित डिपॉजिटरी प्रतिभागी (डीडीपी) पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रदान करेगा जिस पर सेबी की तरफ से जारी पंजीकरण संख्या का उल्लेख होगा। सेबी ने कहा कि किसी एफपीआई के नाम में बदलाव होने की स्थिति में डीडीपी ऐसा अनुरोध मिलने के बाद प्रमाण पत्र में नाम परिवर्तन करेगा। इसके पहले जनवरी में सेबी ने एफपीआई पंजीकरण संख्या के सृजन के लिए नियम अधिसूचित किए थे। उसके बाद वित्त मंत्रालय ने मार्च में कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म (सीएएफ) में संशोधन किया।

बिजली संयंत्रों के पास कोयले का अपेक्षित भंडार, सुनिश्चित करना कोल इंडिया की प्राथमिकता : प्रमोद अग्रवाल

नई दिल्ली । कोयले की कमी और बिजली किल्लत के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया ने कहा कि ताप ऊर्जा संयंत्रों को पर्याप्त ईंधन की आपूर्ति करना उसकी 'प्राथमिकता' है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों से चालू वित्त वर्ष में 70 करोड़ टन के कोयला उत्पादन और उठाव के लक्ष्य को पार करने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने को कहा है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रमोद अग्रवाल ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा कि कंपनी की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि बिजली की कमी के बीच बिजली उत्पादन करने वाली इकाइयों के पास घरेलू ईंधन का पर्याप्त भंडार हो। अग्रवाल ने कर्मचारियों से कहा कि वे इसे 'पावन' लक्ष्य मानें। उन्होंने कहा, 'कोल इंडिया की प्राथमिकता है कि देश के बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले का पर्याप्त भंडार हो और देश को उचित दामों पर बिजली मिले। हमारा लक्ष्य ऊर्जा को कम से कम कीमत पर सुनिश्चित करने का होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'बीते वित्त वर्ष के प्रदर्शन से प्रेरणा लें और 70 करोड़ टन उत्पादन तथा उठान के लक्ष्य को पार करें।' कंपनी की ओर से 2021-22 में ऊर्जा क्षेत्र को आपूर्ति 54.04 करोड़ टन के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई थी। तब कंपनी का कोयला उठाव भी

66.2 करोड़ टन के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2020-21 के मुकाबले 15.3 फीसदी अधिक था।

इस सप्ताह वैश्विक रुख का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई । बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट की मार झेल चुके घरेलू शेयर बाजार पर बढ़ती महंगाई और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य से अमेरिकी फेड रिजर्व ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के रुख एवं वैश्विक स्तर पर जारी होने वाले पीएमआई का अगले सप्ताह बाजार पर असर रहेगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट पर रहा। हालांकि बाजार सीमित दायरे में रहा लेकिन कंपनियों के समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही की आय के आंकड़ों का बाजार पर असर रहा। अमेरिकी बाजार में तेज गिरावट के बाद अगले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में मंदी की शुरुआत होने की संभावना है। वहीं, अमेरिकी एफओएमसी बैठक के नतीजे, जो रिकॉर्ड मुद्रास्फीति और विकास चिंताओं के बीच महत्वपूर्ण है पर निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि एफओएमसी की बैठक बुधवार को होनी है और घरेलू बाजार पर गुरुवार को इसका असर देखा जा सकेगा। इस सप्ताह एफओएमसी बैठक के अलावा बीओई ब्याज पर निर्णय, अमेरिका में रोजगार के आंकड़े विश्वव्यापी पीएमआई आंकड़े जारी किए जाएंगे। इन वैश्विक कारकों का शेयर बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। साथ ही कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, डॉलर इंडेक्स और विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) का व्यवहार भी बाजार को प्रभावित करने वाले अन्य प्रमुख कारक बने रहेंगे। स्थानीय स्तर पर अगले सप्ताह अप्रैल में वाहनों की बिक्री के साथ ही रिलायंस, ब्रिटानिया, एचडीएफसी लिमिटेड, अदानी एंटरप्राइजेज, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा पावर जैसी दिग्गज कंपनियों की चौथी तिमाही के जारी होने वाले आंकड़ों का भी बाजार पर असर रहेगा।

सुमन बेरी ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली । जानेमाने अर्थशास्त्री और शोध प्रशासक सुमन बेरी ने रविवार को नीति आयोग के उपाध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बेरी इससे पहले नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक (मुख्य कार्यकारी) और रॉयल डच शेल के वैश्विक मुख्य अर्थशास्त्री रह चुके हैं। सरकार के शोध संस्थान नीति आयोग में आने से पहले वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद, सांख्यिकी आयोग और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। बयान में कहा गया है नीति आयोग एक मई से सुमन बेरी का उपाध्यक्ष के रूप में स्वागत करता है। बेरी ने नीति आयोग में राजीव कुमार का स्थान लिया है। राजीव कुमार ने अगस्त, 2017 में नीति आयोग के उपाध्यक्ष का पद संभाला था। उन्होंने अरविंद पनगढ़िया का स्थान लिया था। बेरी ने कहा कि कुमार ने मेरे लिए एक ऐसा संगठन छोड़ा है जिसमें काफी युवा शामिल हैं। उनका सरकार के अंदर और बाहर के हितधारकों से मजबूत संबंध है।

विमान ईंधन के दाम रिकॉर्ड बढ़ोतरी, एटीएफ कीमतों में 3.22 प्रतिशत का इजाफा

-चार महीने में नौवीं बार रेटों में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

महंगाई की मार से विमान ईंधन (एटीएफ) भी बच नहीं सका उसकी कीमतों में 3.22 प्रतिशत की और वृद्धि की गई है। इससे इसके दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। इस साल यानी 2022 में विमान ईंधन कीमतों में यह नौवीं बढ़ोतरी है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया है, जिसका असर विमान ईंधन पर भी पड़ा है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ की कीमतों में 3,649.13 रुपये प्रति किलोलीटर या 3.22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अब राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ का दाम 1,16,851.46 रुपये प्रति किलोलीटर (116.8 रुपये लीटर) पर पहुंच गया है। इस बीच, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार 25वें दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले वाहन ईंधन के दामों में रिकॉर्ड 10-10 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। विमान ईंधन की कीमतों में हर महीने की पहली और 16 तारीख को संशोधन किया जाता है। वहीं पेट्रोल और डीजल कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजारों के दामों के अनुरूप प्रतिदिन संशोधन होता है। इससे पहले 16 मार्च को एटीएफ के दाम 18.3 प्रतिशत या 17,135.63 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़ाए गए थे। वहीं एक अप्रैल को भी विमान ईंधन दो

प्रतिशत या 2,258.54 रुपये प्रति किलो लीटर महंगा हुआ था। 16 अप्रैल को इसकी कीमतों में मामूली 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मुंबई में एटीएफ का दाम अब 1,15,617.24 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। कोलकाता में यह 1,21,430.48 रुपये और चेन्नई में 1,20,728.03 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। स्थानीय करों की वजह से विभिन्न राज्यों में एटीएफ का दाम अलग-अलग होता है। किसी भी एयरलाइन की परिचालन लागत में विमान ईंधन का हिस्सा करीब 40 प्रतिशत होता है। 2022 की शुरुआत से एटीएफ का दाम हर पखवाड़े में बढ़ाया गया है। एक जनवरी से नौ बार में एटीएफ कीमतों में 42,829.55 रुपये प्रति किलोलीटर या 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एलआईसी आईपीओ काउंटडाउन शुरू, एक नहीं तीन वर्गों में कर सकते हैं अप्लाई

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में देश के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित आईपीओ एलआईसी को लेकर चर्चाएं गर्म है। इसका काउंटडाउन शुरू हो चुका है। एलआईसी का आईपीओ 4 मई को खुलेगा। शेयर खरीदने के लिए 9 मई तक आवेदन किया जा सकता है। एलआईसी आईपीओ का प्राइस बैंड 902 से 949 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 15 शेयर रखे गए हैं। निवेशक कम से कम एक और अधिकतम 14 लॉट के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसलिए इन आईपीओ में निवेश करने के लिए कम से कम 14,235 रुपये और अधिकतम 1,99,290 रुपये की जरूरत होगी। सरकार ने एलआईसी की पॉलिसीधारकों के लिए 60 रुपये प्रति इक्विटी शेयर छूट देने की बात कही है। इस छूट के लिए केवल वही एलआईसी पॉलिसीधारक पात्र होंगे, जिन्होंने 13 अप्रैल, 2022 या इससे पहले एलआईसी की कोई पॉलिसी खरीदी है। पॉलिसीधारकों के लिए आईपीओ में 15 परसेंट का रिजर्वेशन रखा गया है। एलआईसी कर्मचारियों को 45 रुपये प्रति इक्विटी शेयर छूट दी जाएगी। इस आईपीओ को लेकर एलआईसी पॉलिसीधारकों में खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के अनुसार, करीब 6.48 करोड़ पॉलिसी धारकों ने अपने पैन नंबर को पॉलिसी डिटेल के साथ जोड़ा है। इस आईपीओ के माध्यम से सरकार एलआईसी की अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी को बेच रही है। इसके माध्यम से सरकार ने 21,000 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का टारगेट तय किया है। यह भारतीय बाजार में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। कई निवेशक ऐसे ही हैं जो एलआईसी के कर्मचारी हैं और उनके पास इसकी पॉलिसी भी है। कुछ लोग पॉलिसीहोल्डर होने के साथ-साथ रिटेल निवेशक भी हो सकता है। मार्केट एक्सपर्ट कहते हैं कि कोई व्यक्ति रिटेल और पॉलिसी होल्डर, दोनों की कैटेगरी में आईपीओ के लिए

आवेदन कर सकता है। इस तरह उसे अधिकतम 4 लाख रुपये निवेश करने होंगे। और इस तरह एलआईसी का कर्मचारी तीन कोटे (पॉलिसी होल्डर और रिटेल के साथ) में आवेदन कर सकता है। ऐसे व्यक्ति को अधिकतम 6 लाख रुपये निवेश करने होंगे। आईपीओ की लॉन्चिंग से पहले एलआईसी का ग्रे मार्केट प्रीमियम- जीएमपी बढ़ता जा रहा है। शनिवार को एलआईसी आईपीओ का जीएमपी 92 रुपये हो गया। जीएमपी से अंदाजा लगाया जाता है कि शेयर बाजार में कंपनी के स्टॉक की लिस्टिंग किस भाव पर हो सकती है।

अपडेटेड आइटीआर दाखिल करने के लिए फॉर्म अधिसूचित

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने अद्यतन (अपडेटेड) आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने के लिए एक नया फॉर्म अधिसूचित किया है। इसमें करदाताओं को इसे दाखिल करने की सही वजह के साथ यह भी बताना होगा कि कर के लिए कितनी राशि को पेश किया जा रहा है। नया फॉर्म (आरटीआर-यू) करदाताओं को वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए अद्यतन आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए उपलब्ध होगा। आईटीआर-यू दाखिल करने वाले करदाताओं को आय को अद्यतन करने के लिए कारण देना होगा। उन्हें इसकी वजह बतानी होगी कि पहले रिटर्न दाखिल क्यों नहीं किया गया, या आय की सही जानकारी क्यों नहीं दी गई। यह फॉर्म संबद्ध आकलन वर्ष के अंत के दो साल के भीतर दाखिल किया जा सकता है। आम बजट 2022-23 में करदाताओं को आईटीआर को दाखिल करने के दो साल के भीतर उसे अपडेट करने की अनुमति दी गई है। हालांकि, इस अनुमति से पहले करों का भुगतान जरूरी होगा। इस कदम का मकसद आईटीआर में हुई गलती या कोई जानकारी छूटने पर उसमें सुधार का मौका देना है।

ईडी के छापे के बाद शाओमी बोली- कंपनी में सभी काम नियम-कानूनों के तहत होते हैं

नई दिल्ली ।

चीनी स्मार्टफोन कंपनी शाओमी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापामार कार्रवाई में 5,551 करोड़ रुपये जब्त किए जाने के बाद कंपनी ने बयान जारी कर सफाई दी है। बयान में कहा गया है कि कंपनी एक प्रतिबद्ध ब्रांड के रूप में भारत के लिए पूरी तरह समर्पित है। बकोल शाओमी, 'हमारे सभी कार्य भारतीय नियम और कानूनों के दृढ़ पालन के तहत होते हैं।'

शाओमी ने कहा है कि कंपनी ने सरकारी अधिकारियों के आदेश का अध्ययन किया है और उनके द्वारा बैंक को दिए विवरण व रॉयल्टी भुगतान सत्य और वैध हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा है, 'शाओमी इंडिया द्वारा किए गए रॉयल्टी भुगतान लाइसेंस प्राप्त तकनीकों और हमारे उत्पादों के भारतीय वर्जन में इस्तेमाल किए जाने वाले आईपी के लिए थे। शाओमी इंडिया एक वैध वाणिज्यिक व्यवस्था के तहत यह भुगतान करती है।'

हालांकि, हम किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए अधिकारियों से बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईडी ने एक बयान जारी कर कहा है कि कंपनी गोरखधंधे में लिप्त है और विदेशी मुद्रा अधिनियम 1999 के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। इससे पहले ईडी अवैध रेमिटेंस के मामले में जांच शुरू की थी।

ईडी कंपनी के ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट मनु कुमार जैन को भी तलब कर चुकी है। खबर के अनुसार, शाओमी ने जिन 3 कंपनियों को रॉयल्टी दी है उनसे कोई सेवा नहीं ली है। इन तीन कंपनियों में 1 शाओमी समूह की इकाई है जबकि बाकी 2 कंपनियां यूएस आधारित संस्थानों से जुड़ी हैं। इससे मनी लॉन्डरिंग का संदेह पैदा हुआ है। कंपनी पर आरोप है कि वह अवैध रूप से कमाई गई रकम देश से बाहर भेज रही है। इसके अलावा कंपनी ने फेमा का उल्लंघन करते हुए करोड़ों रुपये का निवेश भारत में किया है।

शाओमी भारत में एमआई या रेडमी ब्रांड नाम के साथ करोबार करती है। कंपनी ने 2014 में भारत में अपना बिजनेस शुरु किया था। यह पूरी तरह से चीनी स्वामित्व वाली कंपनी है। कंपनी ने भारत में करोबार शुरू करने के अगले साल यानी 2015 से पैसा बाहर भेजना शुरू कर दिया था।

सेंसेक्स की पांच प्रमुख कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 67,843 करोड़ बढ़ा

सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 67,843.33 करोड़ रुपए बढ़ा। सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई।

वहीं दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, अडाणी ग्रीन एनर्जी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 25,234.61 करोड़ रुपए बढ़कर 5,25,627.06 करोड़ रुपए, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 21,892.61 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 18,87,964.18 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 16,251.27 करोड़ रुपए बढ़कर 7,68,052.87 करोड़ रुपए, एचडीएफसी की 3,943.09 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,03,969.09 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल ने सप्ताह के दौरान 521.75 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार पूंजीकरण 4,06,245.26 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

इसके विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 22,594.64 करोड़ रुपए घटकर 12,98,999.83 करोड़ रुपए, इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 7,474.58 करोड़ रुपए टूटकर 6,59,587.97 करोड़ रुपए, एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में 3,480.6 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 4,43,106.96 करोड़ रुपए पर आ गया, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 2,600.14 करोड़ रुपए घटकर 5,16,762.48 करोड़ रुपए और अडाणी ग्रीन का बाजार मूल्यांकन 172.04 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,51,577.84 करोड़ रुपए रह गया।

विदेशी निवेशकों ने अप्रैल में भारतीय बाजारों से 17,144 करोड़ निकाले

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी अप्रैल में लगातार सातवें महीने जारी रही। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में वृद्धि की आशंका के बीच एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से 17,144 करोड़ रुपए निकाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अलावा निकट भविष्य में धारणा में उतार-चढ़ाव कायम रहेगा। वैश्विक स्तर पर आक्रामक दरों से ब्याज दरों में बढ़ोतरी तथा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से धारणा प्रभावित रहेगी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अप्रैल तक बिकवाल रहे हैं और उन्होंने शेयरों से 1.65 लाख करोड़ रुपए की भारी राशि निकाली है। इसकी प्रमुख वजह अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से वृद्धि की आशंका और यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पैदा हुआ भू-राजनीतिक संकट है। लगातार छह महीने की बिकवाली के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे थे और उन्होंने 7,707 करोड़ रुपए का निवेश किया था लेकिन उसके बाद कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह 11 से 13 अप्रैल के दौरान उन्होंने फिर बिकवाली की। उसके बाद के हफ्तों में भी उनका बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 17,144 करोड़ रुपए निकाले हैं। हालांकि, यह मार्च के 41,123 करोड़ रुपए की निकासी के आंकड़े से कम है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने मई में ब्याज दरों में आधा प्रतिशत की वृद्धि का संकेत दिया है।

यह एक प्रमुख वजह है कि एफपीआई भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि एफपीआई अप्रैल में शुद्ध बिकवाल बने रहे। इसकी प्रमुख वजह फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से बढ़ोतरी की आशंका है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक बढ़ोतरी की आशंका ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। इसकी वजह से निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं और वे भारत जैसे उभरते बाजारों में निवेश को लेकर देखो और इंतजार करो की नीति अपना रहे हैं।

अप्रेल से जून में एप्पल को चीन में 61,000 करोड़ का नुकसान

सैन फ्रांसिस्को । चीन में कोविड-19 की वजह से लॉकडाउन चल रहा है। ऐसे में अमेरिकी टेक कंपनी ऐपल को जोरदार नुकसान उठाना पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से जून के दौरान कंपनी ने 8 बिलियन डॉलर (61,000 करोड़ रुपए) के नुकसान का अनुमान जताया है। गौरतलब है कि चीन के सबसे बड़े शहरों में से एक शंघाई में पिछले 2 माह से लॉकडाउन लगा है। साथ ही चीन के कई अन्य बड़े शहरों में कोविड प्रतिबंध जारी है। ऐसे में ऐपल के उत्पादों की मांग में कमी दर्ज की जा रही है। ऐपल के सीईओ टिम कुम ने अनुमान जाहिर किया है कि चीन में लगे लॉकडाउन की वजह से कंपनी को 4 से 8 बिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। कोविड-19 प्रतिबंध की वजह से ग्राहकों की मांग में कमी दर्ज की जा रही है। रिपोर्ट की मानें तो ऐपल की 200 से ज्यादा मेन सप्लायर फैसिलिटी शंघाई के चारो तरह मौजूद हैं। ऐपल को आईफोन निर्माण के लिए इंडस्ट्री वाइड सिलिकॉन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। जिसका असर भी इस तिमाही में दिख रहा है। भारत सरकार की कोशिश है कि ऐपल चीन पर अपनी निर्भरता कम करे। इस योजना के तहत ऐपल भारत में निर्माण में पर जो दे रही है। ऐपल ने हाल ही में आईफोन 12 का निर्माण शुरू कर दिया है। जबकि हाल ही में आईफोन 13 का विनिर्माण शुरू किया है। ऐसे में पिछले एक साल के मुकाबले भारत में ऐपल के विनिर्माण में 50 फीसदी का उछाल देखा गया है। बता दें कि

केंद्र सरकार भारत को स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना चाहती है। इसके लिए केंद्र सरकार की तरफ से घरेलू स्तर पर स्मार्टफोन निर्माण के लिए पीएलआई स्कीम शुरू की है।

राजस्थान रॉयल्स और केकेआर में आज होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)।

आईपीएल में सोमवार को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच अहम मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। इसमें श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली केकेआर को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे जमकर संघर्ष करना होगा। इसका कारण है कि कप्तान श्रेयस को छोड़कर बाकि बल्लेबाजों में निरंतरता की कमी है। टीम ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर अभी तक तय में नहीं आये हैं। इस कारण केकेआर को शीष क्रम में बदलाव करने पड़े हैं। वेंकटेश के क्रम में बदलाव किया गया है पर वह भी कारगर नहीं रहा है।

ऐसे में केकेआर को अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो उसे सही संयोजन को तलाशना होगा। ऐसे में कप्?तान अय्यर इस मैच में भी टीम में बदलाव कर सकते हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस भी उनके लिए

परेशानी का कारण बन गयी है।

केकेआर की गेंदबाजी भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। वरुण चक्रवर्ती नाकाम रहे हैं हालांकि टिम साउदी, उमेश यादव और सुनील नरेन के अच्छे फार्म में होने से टीम को राहत मिली है। वहीं दूसरी ओर रायल्स को पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था हालांकि उसके प्रमुख बल्लेबाज जोश बटलर शानदार फार्म में हैं। केकेआर के गेंदबाजों को राजस्थान के बल्लेबाज जोस बटलर पर अंकुश लगाना होगा। बटलर ने अभी इस सत्र में सबसे ज्यादा 566 रन बनाए हैं। वहीं बटलर के अलावा कप्तान संजू सैमसन को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। देवदत्त पडिक्कल, शिमरॉन हेटमायर और रियान पराग भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल अभी शानदार लय में हैं और उनका सामना करना केकेआर के बल्लेबाजों के लिए कठिन रहेगा। चहल के अलावा टीम के पास ओबेड मैक्कॉय, नवदीप सैनी, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज हैं।

नवजात बेटी के साथ दिखे क्रिस्टियानो रोनाल्डो

खेल डैस्क।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी नवजात बेटी को पकड़े हुए सोशल मीडिया पर एक दिल दहला देने वाली तस्वीर पोस्ट की है। मैनचेस्टर यूनाइटेड स्टार और उनके साथी जॉर्जीना रोड्रिगेज ने इस महीने की शुरुआत में डिलिवरी के दौरान अपने नवजात बेटे को दुखद रूप से खो दिया था। जॉर्जीना के गर्भ में दो बच्चे थे जिनमें से सिर्फ एक को ही बचाया जा सका।

पंड्या को शीर्ष क्रम में उतारें : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें शीर्ष क्रम में उतारा जाना चाहिये। पंड्या की कप्तानी में ही नई टीम गुजरात ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस दौरान उसका औसत 51 से भी अधिक रहा है। पंड्या पिछले सत्र तक मुंबई इंडियंस टीम के साथ थे और उन्होंने फिनिशर की भूमिका भी निभाई थी। हरभजन टाइटंस के कप्तान से काफी प्रभावित भी नजर आये हैं।

हरभजन ने पंड्या की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करनी चाहिये। हरभजन ने किसी खिलाड़ी से तुलना करने की जगह कहा कि हार्दिक ने इस समय कई बड़े खिलाड़ियों से अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन फिनिशर की भूमिका के लिए किसी अन्य खिलाड़ी को रख सकते हैं और हार्दिक को उस जिम्मेदारी से मुक्त कर सकते हैं। भज्जी ने कहा, 'हार्दिक के पास शानदार तकनीक है। वह एक बेहतर बल्लेबाज बन सकते हैं पर हमने उन्हें अब तक इस भूमिका में नहीं देखा था। वह आमतौर पर बल्लेबाजी क्रम में नीचे आते थे और बड़ी हिट्स लगाते थे। अब, उनके पास पारी में 17-18 ओवर शेष रहते हुए ठीक से बल्लेबाजी करने का मौका था और वह एक टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज की तरह लग रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं उनकी तुलना किसी से नहीं करना चाहता पर उन्होंने अब तक जो खेल दिखाया है, उससे वह इस समय कई अन्य महान बल्लेबाजों से बेहतर नजर आ रहे हैं। ' हरभजन ने साथ ही यह भी कहा कि हार्दिक को ज्यादा से ज्यादा गेंदों का सामना करना चाहिए, इसलिए अगर वह जमे हैं तो पारी के अंत में अधिक घातक साबित हो सकते हैं।

रोमांचक मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 रनों से हराया

नवी मुंबई। (एजेंसी)।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2022 के 45वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 6 रन से हार का सामना करना पड़ा है। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल (77) और दीपक हुड्डा (52) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत तीन विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए।

196 रन के लक्ष्य को भेदने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 13 रन पर दोनों ओपनरों पृथ्वी शॉ (5) और डेविड वार्नर (3) के विकेट्स गंवा लिए। हालांकि इसके बाद टीम ने रफ्तार पकड़ी लेकिन मिशेल मार्श (37) के आउट होने के बाद एक बार फिर टीम लड़खड़ाती हुई नजर आई और विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। अंत में मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया जब टीम को आखिरी ओवर में 21 रन की जरूरत थी। ऐसे में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने कोशिश तो की लेकिन टीम 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 189 ही रन ही बना पाई और मैच हार गई।

टेस्ट टीम से बाहर हुए पुजारा को मिली संजीवनी, काउंटी में जड़ा तीसरा शतक

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय टीम से बाहर चल रहे सीनियर टेस्ट बल्लेबाज़ चेतेश्वर पुजारा इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप क्रिकेट में लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। ससेक्स की टीम से खेलते हुए उन्होंने शुक्रवार को अपने तीसरे मैच में तीसरा शतक बनाया। पुजारा ने अपनी पारी में 167 गेंदों का सामना करते हुए 107 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 13 चौके भी लगाए। पुजारा की इस पारी की मदद से उनकी टीम डरहम के ख़िलाफ़ एक बढ़िया बढ़त बनाने में क़ामयाब रही। डरहम की टीम पहली पारी में 223 के स्कोर पर आउट हो गई थी। पिछले कुछ मैचों से भारत की तरफ़ से खेलते हुए पुजारा का फ़ॉर्म कुछ ख़ास नहीं था। हालांकि जब से वह काउंटी क्रिकेट खेलने गए हैं। वह लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। इस चैंपियनशिप के दौरान उन्होंने पांच पारियों में तीन शतक लगाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल था। वूस्टरशायर के हाथों ससेक्स की 34 रन की हार में उन्होंने पहली पारी में 109 रन बनाए, उसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने 12 रन बनाए थे।जब भारत पिछले साल स्थगित किए गए पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की यात्रा करेगा तो पुजारा के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ़्रीका में श्रृंखला हारने के बाद पुजारा को भारतीय टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था।

सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स की फिर होगी इंग्लैंड की टीम में वापसी, तीन साल से है बाहर

लंदन। सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स तीन साल बाद इंग्लैंड की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में वापसी कर सकते हैं क्योंकि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नव नियुक्त प्रबंध निदेशक रॉब की को लगता है कि इस बल्लेबाज ने प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण पर्याप्त समय टीम से बाहर रहकर बिता दिया है। हेल्स को 2019 में इंग्लैंड की एकदिवसीय विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि तब 'गार्डियन' ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि उन पर प्रतिबंधित दवा के सेवन के लिये तीन सप्ताह का प्रतिबंध लगा था। इस 33 वर्षीय बल्लेबाज ने इंग्लैंड की तरफ से 11 टेस्ट, 70 वनडे और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

आईपीएल 2022: बीच टूर्नामेंट में जडेजा ने छोड़ी सीएसके की कप्तानी, फिर से धोनी के हाथों में टीम की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल का रोमांच खूब चल रहा है। इन सब के बीच बड़ी खबर चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ी हुई आ रही है। दरअसल, चेन्नई सुपर किंग्स की कमान एक बार फिर से महेंद्र सिंह धोनी के हाथों में चली गई है। रविंद्र जडेजा ने बीच टूर्नामेंट में ही धोनी को एक बार फिर से कप्तानी सौंपने का फैसला किया है। आपको बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स के नियमित कप्तान के तौर पर अब तक महेंद्र सिंह धोनी ही रहे हैं। लेकिन इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले ही रविंद्र जडेजा को टीम की कप्तानी दे दी गई। वर्तमान में इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा है। चार आईपीएल खिताब जीत चुकी चेन्नई लगभग टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है।

चेन्नई की ओर से एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई। जानकारी के मुताबिक जडेजा सीएसके की कप्तानी वापस एमएस धोनी को सौंपेंगे। रवींद्र जडेजा ने अपने खेल पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और ध्यान केंद्रित करने के लिए कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है और एमएस धोनी से सीएसके का नेतृत्व करने का अनुरोध किया है। एमएस धोनी ने बड़े हित में सीएसके का नेतृत्व करना और जडेजा को अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देना स्वीकार किया है। 2021 की विजेता टीम ने इस बार के आईपीएल में अब तक 8 मुकाबले खेले हैं और जिसमें से सिर्फ 2 में ही जीत हासिल हुई है।

अरविंद चितांबरम बने फिर बने नेशनल रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज विजेता

नासिक , महाराष्ट्र । भारत के पूर्व सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियन ग्रांड मास्टर अरविंद चितांबरम नें एक बार फिर शतरंज के फटाफट फॉर्मेट रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज मे अपना दबदबा दिखाते हुए दोहरे खिताब अपने नाम कर लिए है । सबसे पहले सम्पन्न हुई रैपिड चैंपियनशिप मे 9 राउंड मे तमिलनाडू से खेलते हुए अरविंद नें ने लगातार 7 जीत और 2 ड्रॉ के साथ अविजित रहते हुए कुल 8 अंक बनाए और खिताब अपने नाम किया इस दौरान छठे राउंड मे ग्रांड मास्टर विष्णु प्रसन्ना पर उनकी जीत खास रही । वहीं 7.5 अंक बनकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर पेट्रोलियम स्पोर्ट्स बोर्ड के दीपन चक्रवर्ती दूसरे तो तमिलनाडू के राहुल वीएस तीसरे स्थान पर रहे । 7 अंको पर रेल्वे के हिमाल गुसैन चौथे और सिद्धान्त मोहापात्र पांचवें स्थान पर रहे .

रोहित शर्मा को मिला बर्थडे गिफ्ट, मुंबई ने खोला जीत का खाता

मुंबई । मुंबई इंडियंस ने रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया। 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बर्थडे बॉय कप्तान रोहित शर्मा आज भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं कर सके और सिर्फ 2 रन के स्कोर पर आर अश्विन के शिकार हो गए। दूसरी ओर ईशान किशन लय में जरूर नजर आ रहे थे। लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल सके और 26 रनों के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया। हालांकि, मुंबई के संकटमोचक के सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। दोनों ने मुंबई को जीत के मुहाने पर पहुंचा दिया था। हालांकि चहल ने सूर्यकुमार यादव को 51 रनों के स्कोर पर आउट किया। उसके बाद तिलक वर्मा भी जल्द ही आउट हो गए। उन्होंने 35 रनों की पारी खेली। बाद में किरॉन पोलार्ड और टिम डेविड ने मिलकर मुंबई इंडियंस को यह जीत दिलाई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की आईपीएल 2022 में यह पहली जीत है। मुंबई इंडियंस ने इससे पहले 8 मुकाबले खेले और 8 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। नौवें मुकाबले में मुंबई को जीत मिली है। इस जीत से मुंबई को राहत जरूर मिली होगी और साथ ही साथ कप्तान रोहित शर्मा को एक बड़ा बर्थडे गिफ्ट मिल गया है।

मुंबई इंडियंस की लगातार हार पर ईशान किशन बोले- कठिन दौर है लेकिन एक दूसरे के साथ खड़े रहना है

नवी मुंबई। आईपीएल में लगातार आठ हार के बाद राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज करने वाली मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा कि उनकी टीम के लिये यह कठिन दौर है और इसमें सभी खिलाड़ियों को साथ खड़े रहने की जरूरत है। ईशान ने कहा ,'' हमारे लिये यह आसान समय नहीं है लेकिन हमें एक दूसरे का साथ देना है। अपनी तैयारियों पर फोकस करना है।मुझे खुशी है कि आज हम जीत सके।'' उन्होंने कहा ,'' क्रिकेट में यह सब होता रहता है। आप विकेट गंवाते हैं , रन बनाते हैं लेकिन आज सभी बल्लेबाज फिनिशर की भूमिका निभाने के जज्बे के साथ उतरे थे। उम्मीद है कि आने वाले समय में हम और मैच जीतेंगे।

अंपायर के गलत फैसले पर बोलीं पीवी सिंधु- ये गलत था, मैं फाइनल खेल सकती थी

मनीला (एजेंसी)।

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की आंखों में तब आंसू आ गए जब उनका जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के बीच में अंपायर के 'अनुचित' फैसले के कारण लय गड़बड़ाने से एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप (बीएसी) जीतने का सपना चकनाचूर हो गया। सिंधू पहला गेम जीतने के बाद दूसरे गेम में जब 14-11 से आगे थी तो उन पर सर्विस करते हुए बहुत अधिक समय लेने के लिए एक अंक की 'पेनल्टी' लगाई गई।

हैदराबाद की इस 26 वर्षीय खिलाड़ी की इसके बाद लय गड़बड़ा गई और आखिर में वह 21-13, 19-21, 16-21 से हार गयी। इस तरह से उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा जो इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में उनका दूसरा पदक है। सिंधू ने शनिवार को मैच के बाद कहा कि अंपायर ने मुझसे कहा कि आप बहुत समय ले रही हो लेकिन विपक्षी खिलाड़ी उस समय तैयार नहीं थी। लेकिन अंपायर ने अचानक उसे अंक दे दिया और यह वास्तव में अनुचित था। मुझे लगता है कि यह मेरी हार का एक कारण था।

उन्होंने कहा कि मेरा कहने का मतलब है मुझे ऐसा लगता है क्योंकि उस समय स्कोर 14-11 था और वह 15-11 हो सकता था लेकिन इसके बजाय यह 14-12 हो गया। इसके बाद उसने लगातार अंक बनाये। मुझे लगता है कि यह बहुत अनुचित था। हो सकता था कि मैं मैच जीत जाती और फाइनल में खेलती। मैंने मुख्य रेफरी से बात की, वह आये और उन्होंने कहा कि फैसला पहले ही हो चुका है। मुख्य रेफरी के रूप में आपको कम से कम यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि गलती क्या थी। उन्हें रीप्ले देखकर इसको लेकर फैसला करना चाहिए था।

सिंधु के पिता पीवी रमन्ना ने कहा कि सिंधु इस फैसले से बेहद निराश है। उसे इस बार स्वर्ण जीतने का भरोसा था और इसलिए वह बहुत निराश है। जब उसने मुझसे बात की तो वह रो रही थी लेकिन मैंने उससे कहा कि जो हो गया उसे भूल जाओ। सिंधू को मुख्य रेफरी के साथ चर्चा करते हुए भी देखा गया। अंपायर ने जो किया वह सही नहीं था, अगर वह देरी कर रही थी तो पहले उसे पीला कार्ड दिखाकर चेतावनी दी जानी चाहिए थी। कम से कम एक अंक से दंडित किए जाने पर उसे लाल कार्ड दिखाते, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया गया।

कयास लगाए जा रहे थे कि सिंधू कांस्य पदक स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि उन्होंने पदक समारोह में हिस्सा नहीं लिया था लेकिन इस खिलाड़ी ने पदक के साथ तस्वीर ट्वीट करके इन अटकलबाजियों पर विराम लगा दिया। सिंधू ने ट्वीट किया कि पीड़ादायक अभियान के आखिर में

पदक हमेशा विशेष होता है। यह इससे बेहतर हो सकता था। अब निगाह अगली प्रतियोगिता पर है। रमन्ना ने स्पष्ट किया कि पदक वितरण समारोह में उपस्थित नहीं हो पाने के लिए अधिकारियों से अनुमति ली गयी थी। उन्होंने कहा, ''ऐसा कुछ नहीं है कि वह पदक स्वीकार नहीं करती। उसे स्वदेश के लिए उड़ान पकड़नी थी इसलिए उसने अधिकारियों से अनुमति ली थी।

रीयाल मैड्रिड ने 35वीं बार जीता ला लिगा खिताब

बार्सिलोना (ईएमएस)। रीयाल मैड्रिड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड 35 वीं बार स्पेनिश फुटबॉल लीग में ला लिगा खिताब जीता है। मैड्रिड ने खिताबी मुकाबले में एस्पेनयोल को 4-0 से हराया। रीयाल की ओर से रोड्रिगो ने दो जबकि मार्को और करीम ने एक-एक गोल किया। एस्पेनयोल पर जीत के साथ ही रीयाल ने दूसरे नंबर पर कायम सेविला पर 17 अंक की बढ़त हासिल कर ली। सेविला का मुकाबला कैडिज से 1-1 से ड्रॉ रहा था। रीयाल अभी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर चल रही बार्सिलोना से 18 अंक आगे है जबकि अब अभी केवल चार दौर के मैच होने शेष हैं। ऐसे में कोई भी अन्य टीम रीयाल की बराबरी तक नहीं पहुंच सकेगी। इस जीत के साथ ही कार्लो शीर्ष 5 यूरोपियन लीग खिताब जीतने वाले पहले कोच बने हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अक्षय तृतीया : बहुत शुभ होती है वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया

अक्षय तृतीया या आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। वैसे तो सभी बारह महीनों की शुक्ल पक्षीय तृतीया शुभ होती है, किन्तु वैशाख माह की तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्तो में मानी गई है।

महत्व

अक्षय तृतीया का सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में भी विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन बिना कोई पंचांग देखे कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह-प्रवेश, वस्त्र-आभूषणों की खरीददारी या घर, भूखण्ड, वाहन आदि की खरीददारी से सम्बन्धित कार्य किए जा सकते हैं। नवीन वस्त्र, आभूषण आदि धारण करने और नई संस्था, समाज आदि की स्थापना या उदघाटन का कार्य श्रेष्ठ माना जाता है। पुराणों में लिखा है कि इस दिन पितरों को किया गया तर्पण तथा पिन्डदान अथवा किसी और प्रकार का दान, अक्षय फल प्रदान करता है। इस दिन गंगा स्नान करने से तथा भगवत पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यहाँ तक कि इस दिन किया गया जप, तप, हवन, स्वाध्याय और दान भी अक्षय हो जाता है। यह तिथि यदि सोमवार तथा रोहिणी नक्षत्र के दिन आए तो इस दिन किए गए दान, जप-तप का फल बहुत अधिक बढ़ जाता हैं। इसके अतिरिक्त यदि यह तृतीया मध्याह्न से पहले शुरू होकर प्रदोष काल तक रहे तो बहुत ही श्रेष्ठ मानी जाती है। यह भी माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किए गए जाने-अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सदगुण प्रदान करते हैं, अतः आज के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिए अर्पित कर उनसे सदगुणों का वरदान माँगने की परम्परा भी है।

हिन्दू धर्म में महत्व

अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर समुद्र या गंगा स्नान करने के बाद भगवान विष्णु की शान्त चित्त होकर विधि विधान से पूजा करने का प्रावधान है। नैवेद्य में जौ या गेहूँ का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पित किया जाता है। तत्पश्चात फल, फूल, बरतन, तथा वस्त्र आदि दान करके ब्राह्मणों को दक्षिणा दी जाती है। ब्राह्मण को भोजन करवाना कल्याणकारी समझा जाता है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए तथा नए वस्त्र और आभूषण पहनने चाहिए। गौ, भूमि, स्वर्ण पात्र इत्यादि का दान भी इस दिन किया जाता है। यह तिथि वसन्त ऋतु के अन्त और ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ का दिन भी है इसलिए अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घडे, कुल्हड, सकोरे, पंखे, खडाऊँ, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूजा, ककड़ी, चीनी, साग, इमली, सत्तू आदि गरमी में लाभकारी वस्तुओं का दान पुण्यकारी माना गया है। इस दान के पीछे यह लोक विश्वास है कि इस दिन जिन-जिन वस्तुओं का दान किया जाएगा, वे समस्त वस्तुएँ स्वर्ग या अगले जन्म में प्राप्त होगी। इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा सफेद कमल अथवा सफेद गुलाब या पीले गुलाब से करना चाहिये।

'सर्वत्र शुक्ल पुष्पाणि प्रशस्तानि सदार्चने।
दानकाले च सर्वत्र मन्त्र मेत मुदीरयेत्॥'

अर्थात सभी महीनों की तृतीया में सफेद पुष्प से किया गया पूजन प्रशंसनीय माना गया है।

ऐसी भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विशेष फलदायी मानी गई है। इस दिन किया गया आचरण और सत्कर्म अक्षय रहता है।

भविष्य पुराण के अनुसार इस तिथि की युगादि तिथियों में गणना होती है, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ है। भगवान विष्णु ने नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव भी इसी दिन हुआ था। इस दिन श्री बद्रीनाथ जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है और श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन किए जाते हैं। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं। वृन्दावन स्थित श्री बाँके बिहारी जी मन्दिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। जी.एम. हिंगे के अनुसार तृतीया 41 घटी 21 पल होती है तथा धर्म सिन्धु एवं निर्णय सिन्धु ग्रन्थ के अनुसार अक्षय तृतीया 6 घटी से अधिक होना चाहिए। पद्म पुराण के अनुसा इस तृतीया को अपराह्न व्यापिनी मानना चाहिए। इसी दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था और द्वापर युग का समापन भी इसी दिन हुआ था। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से प्रारम्भ किए गए कार्य अथवा इस दिन को किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता। मदनरत्न के अनुसार:

'अस्यां तिथौ क्षयमुपैति हुतं न दत्तं। तेनाक्षयेति कथिता मुनिभिस्तृतीया॥
उद्दिष्य दैवतपितृन्क्रियते मनुष्यैः। तत् च अक्षयं भवति भारत सर्वमेव॥'

प्रचलित कथाएँ

अक्षय तृतीया की अनेक व्रत कथाएँ प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक धर्मदास नामक वैश्य था। उसकी सदाचार, देव और ब्राह्मणों के प्रति काफी श्रद्धा थी। इस व्रत के महात्म्य को सुनने के पश्चात उसने इस पर्व के आने पर गंगा में स्नान करके विधिपूर्वक देवी-देवताओं की पूजा की, व्रत के दिन स्वर्ण, वस्त्र तथा दिव्य वस्तुएँ ब्राह्मणों को दान में दी। अनेक रोगों से ग्रस्त तथा वृद्ध होने के बावजूद भी उसने उपवास करके धर्म-कर्म और दान पुण्य किया। यही वैश्य दूसरे जन्म में कुशावती का राजा बना। कहते हैं कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए दान व पूजन के कारण वह बहुत धनी प्रतापी बना। वह इतना धनी और प्रतापी राजा था कि त्रिदेव तक उसके दरबार में अक्षय तृतीया के दिन ब्राह्मण का वेष धारण करके उसके महायज्ञ में शामिल होते थे। अपनी श्रद्धा और भक्ति का उसे कभी घमण्ड नहीं हुआ और महान वैभवशाली होने के बावजूद भी वह धर्म मार्ग से विचलित नहीं हुआ। माना जाता है कि यही राजा आगे चलकर राजा चंद्रगुप्त के रूप में पैदा हुआ। स्कंद पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम रूप में जन्म लिया। कोंकण और चिप्लून के परशुराम मंदिरों में इस तिथि को परशुराम जयन्ती बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। दक्षिण भारत में परशुराम जयन्ती को विशेष महत्व दिया जाता है। परशुराम जयन्ती होने के कारण इस तिथि में भगवान परशुराम के आविर्भाव की कथा भी सुनी जाती है। इस दिन परशुराम जी की पूजा करके उन्हें अर्घ्य देने का बड़ा माहात्म्य माना गया है। सौभाग्यवती स्त्रियाँ और क्वारी कन्याएँ इस दिन गौरी-पूजा करके मिठाई, फल और भीगे हुए चने बाँटती हैं, गौरी-पार्वती की पूजा करके धातु या मिट्टी के कलश में जल, फल, फूल, तिल, अन्न आदि लेकर दान करती हैं। मान्यता है कि इसी दिन जन्म से ब्राह्मण और कर्म से क्षत्रिय भृगुवंशी परशुराम का जन्म हुआ था। एक कथा के अनुसार परशुराम की माता और विश्वामित्र की माता के पूजन के बाद प्रसाद देते समय ऋषि ने प्रसाद बदल कर दे दिया था। जिसके प्रभाव से परशुराम ब्राह्मण होते हुए भी क्षत्रिय स्वभाव के थे और क्षत्रिय पुत्र होने के बाद भी विश्वामित्र ब्रह्मर्षि कहलाए। उल्लेख है कि सीता स्वयंवर के समय परशुराम जी अपना धनुष बाण श्री राम को समर्पित कर संन्यासी का जीवन बिताने अन्यत्र चले गए। अपने साथ एक फरसा रखते थे तभी उनका नाम परशुराम पड़ा।

जैन धर्म में अक्षय-तृतीया

तीर्थंकर आदिनाथ को प्रथम आहार देते राजा श्रेयांस (चित्र-अजमेर जैन मन्दिर)जैन धर्मावलम्बियों का महान धार्मिक पर्व है। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव भगवान ने एक वर्ष की पूर्ण तपस्या करने के पश्चात इक्षु (शोरडी-गन्ने) रस से पारायण किया था। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान ने सत्य व अहिंसा का प्रचार करने एवं अपने कर्म बन्धनों को तोड़ने के लिए संसार के भौतिक एवं पारिवारिक सुखों का त्याग कर जैन वैराग्य अंगीकार कर लिया। सत्य और अहिंसा के प्रचार करते-करते आदिनाथ प्रभु हस्तिनापुर गजपुर पधारे जहाँ इनके पौत्र सोमयश का शासन था। प्रभु का आगमन सुनकर सम्पूर्ण नगर दर्शनार्थ उमड़ पड़ा सोमप्रभु के पुत्र राजकुमार श्रेयांस कुमार ने प्रभु को देखकर उसने आदिनाथ को पहचान लिया और तत्काल शुद्ध आहार के रूप में प्रभु को गन्ने का रस दिया, जिससे आदिनाथ ने व्रत का पारायण किया। जैन धर्मावलंबियों का मानना है कि गन्ने के रस को इक्षुरस भी कहते हैं इस कारण यह दिन इक्षु तृतीया एवं अक्षय तृतीया के नाम से विख्यात हो गया। भगवान श्री आदिनाथ ने लगभग 400 दिवस की तपस्या के पश्चात पारायण किया था। यह लम्बी तपस्या एक वर्ष से अधिक समय की थी अतः जैन धर्म में इसे वर्षीतप से सम्बोधित किया जाता है। आज भी जैन धर्मावलम्बी वर्षीतप की आराधना कर अपने को धन्य समझते हैं, यह तपस्या प्रति वर्ष कार्तिक के कृष्ण पक्ष की अष्टमी से आरम्भ होती है और दूसरे वर्ष वैशाख के शुक्लपक्ष की अक्षय तृतीया के दिन पारायण कर पूर्ण की जाती है। तपस्या आरम्भ करने से पूर्व इस बात का पूर्ण ध्यान रखा जाता है कि प्रति मास की चौदस को उपवास करना आवश्यक होता है। इस प्रकार का वर्षीतप करीबन 13 मास और दस दिन का हो जाता है। उपवास में केवल गर्म पानी का सेवन किया जाता है। भारत वर्ष में इस प्रकार की वर्षी तपश्चर्या करने वालों की संख्या हज़ारों तक पहुँच जाती है। यह तपस्या धार्मिक दृष्टिकोण से अन्यक्त ही महत्त्वपूर्ण है, वहीं आरोग्य जीवन बिताने के लिए भी उपयोगी है। संयम जीवनयापन करने के लिए इस प्रकार की धार्मिक क्रिया करने से मन को शान्त, विचारों में शुद्धता, धार्मिक प्रवृत्रियों में रुचि और कर्मों को काटने में सहयोग मिलता है। इसी कारण इस अक्षय तृतीया का जैन धर्म में विशेष धार्मिक महत्व समझा जाता है। मन, वचन एवं श्रद्धा से वर्षीतप करने वाले को महान समझा जाता है।

संस्कृति में

इस दिन से शादी-ब्याह करने की शुरुआत हो जाती है। बड़े-बुजुर्ग अपने पुत्र-पुत्रियों के लगन का मांगलिक कार्य आरंभ कर देते हैं। अनेक स्थानों पर छोटे बच्चे भी पूरी रीति-रिवाज के साथ अपने गुड्डा-गुड़िया का विवाह रचाते हैं। इस प्रकार गाँवों में बच्चे सामाजिक कार्य व्यवहारों को स्वयं सीखते व आत्मसात करते हैं। कई जगह तो परिवार के साथ-साथ पूरा का पूरा गाँव भी बच्चों के द्वारा रचे गए वैवाहिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि अक्षय तृतीया सामाजिक व सांस्कृतिक शिक्षा का अनूठा त्यौहार है। कृषक समुदाय में इस दिन एकत्रित होकर आने वाले वर्ष के आगमन, कृषि पैदावार आदि के शगुन देखते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस दिन जो सगुन कृषकों को मिलते हैं, वे शत-प्रतिशत सत्य होते हैं। राजपूत समुदाय में आने वाला वर्ष सुखमय हो, इसलिए इस दिन शिकार पर जाने की परंपरा है।

खुदा का इनाम, खुशियों का गुलदस्ता और रौनक का जश्न है ईद उल-फ़ित्र

रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है। इस पूरे माह में रोजे रखे जाते हैं। इस महीने के खत्म होते ही दसवां माह शव्वाल शुरू होता है। इस माह की पहली चांद रात ईद की चांद रात होती है। इस रात का इंतजार वर्ष भर खास वजह से होता है, क्योंकि इस रात को दिखने वाले चांद से ही इस्लाम के बड़े त्योहार ईद उल-फ़ित्र का ऐलान होता है। इस तरह से यह चांद ईद का पैगाम लेकर आता है। इस चांद रात को अल्फा कहा जाता है।

रमजान माह की इबादतों और रोजे के बाद जलवा अफरोज हुआ ईद उल-फ़ित्र (ईद-उल फितर) का त्योहार खुदा का इनाम है, मुसर्रतों का आगाज है, खुशखबरी की महक है, खुशियों का गुलदस्ता है, मुस्कुराहटों का मौसम है, रौनक का जश्न है। इसलिए ईद का चांद नजर आते ही माहौल में एक गजब का उल्लास छा जाता है।

ईद के दिन सिवइयों या शीर-खुरमे से मुंह मीठा करने के बाद छोटे-बड़े, अपने-पराए, दोस्त-दुश्मन गले मिलते हैं तो चारों तरफ मोहब्बत ही मोहब्बत नजर आती है। एक पवित्र खुशी से दमकते सभी चेहरे इंसानियत का पैगाम माहौल में फैला देते हैं। अल्लाह से दुआएं मांगते व रमजान के रोजे और इबादत की हिम्मत के लिए खुदा का शुक्र अदा करते हाथ हर तरफ दिखाई पड़ते हैं और यह उत्साह बयान करता है कि लो ईद आ गई।

कुरआन के अनुसार पैगंबरे इस्लाम ने कहा है कि जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों तथा उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं, तो अल्लाह एक दिन अपने उक्त इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं और इसी बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल-फितर (ईद-उल-फित्र) का नाम देते हैं।

रमजान माह के रोजे को एक फर्ज करार दिया गया है, ताकि इंसानों को भूख-प्यास का महत्व पता चले। भौतिक वासनाएं और लालच इंसान के वजूद से जुदा हो जाए और इंसान कुरआन के अनुसार अपने को ढाल लें। इसलिए रमजान का महीना इंसान को अशरफ और आला बनाने का मौसम है। पर अगर कोई सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करे और उसके बंदों से मोहब्बत करने व उनकी मदद करने से हाथ खींचे तो ऐसी इबादत को इस्लाम ने खारिज किया है। क्योंकि असल में इस्लाम का पैगाम है- अगर अल्लाह की सच्ची इबादत करनी है तो उसके सभी बंदों से प्यार करो और हमेशा सबके मददगार बनो। यह इबादत ही सही इबादत है।

यही नहीं, ईद की असल खुशी भी इसी में है।

भगवान परशुराम के जीवन से जुड़े पौराणिक किस्से

कुछ प्रसिद्ध रामायण वक्ताओं के मुख से कई बार यह सुनाई देता है कि परशुराम क्रोधी थे, जनकपुर में धनुष भंजन के बाद जब वह यज्ञ शाला में पहुंचे तो वे बड़े क्रुद्ध हुए। लक्ष्मण ने उन्हें खूब छकाया, जब भगवान श्री राम ने उनके धनुष में तीर का संधान किया तो राम के सम्मुख नतमस्तक होकर चले गए आदि-आदि। परशुराम दशावतारों में हैं। क्या उन्हें इतना भी आभास नहीं होगा कि यह धनुष किसने तोड़ा? क्या वह साधारण पुरुष हैं?

श्री राम द्वारा धनुष तोड़ने के बाद समस्त राजाओं की दुरभिसंधि हुई कि श्री राम ने धनुष तो तोड़ लिया है, लेकिन इन्हें सीता स्वयंवर से रोकना होगा। वे अतः अपनी-अपनी सेनाओं की टुकड़ियों के साथ धनुष यज्ञ में आए समस्त राजा एकजुट होकर श्री राम से युद्ध के लिए कमर कस कर तैयार हो गए। धनुष यज्ञ गृह युद्ध में बदलने वाला था, ऐसी विकट स्थिति में वहां अपना फरसा लहराते हुए परशुराम जी प्रकट हो गए। वे राजा जनक से पूछते हैं कि तुरंत बताओ कि यह शिव धनुष किसने तोड़ा है, अन्यथा जितने राजा यहां बैठे हैं.... मैं क्रमशः उन्हें अपने परशु की भेंट चढ़ाता हूं। तब श्री राम विनम्र भाव से कहते हैं- हे नाथ शंकर के धनुष को तोड़ने वाला कोई आपका ही दास होगा। परशुराम-राम संवाद के बीच में ही लक्ष्मण उत्तेजित हो उठे, विकट लीला प्रारंभ हो गई। संवाद चलते रहे लीला आगे बढ़ती रही परशुराम जी ने श्री राम से कहा अच्छा मेरे विष्णु धनुष में तीर चढ़ाओ... तीर चढ़ गया, परशुराम जी ने प्रणाम किया और कहा मेरा कार्य अब पूरा हुआ, आगे का कार्य करने के लिए श्री राम आप आ गए हैं। गृह युद्ध टल गया। सारे राजाओं ने श्री राम को अपना सम्राट मान लिया, भेंट पूजा की एवं अपनी-अपनी राजधानी लौट गए। श्री राम के केंद्रीय शासन नियमों से धर्मयुक्त राज्य करने लगे। देश में शांति छाने लगी अब श्री राम निश्चिंत थे क्योंकि उन्हें तो देश की सीमाओं के पार से संचालित आतंक के खिलाफ लड़ना था, इसीलिए अयोध्या आते ही वन को चले गए। पंचवटी में लीला रची गई, लंका कूच हुआ। रावण का कुशासन समाप्त हुआ, राम राज्य की स्थापना हुई। अतः राम राज्य की स्थापना की भूमिका तैयार करने वाले भगवान परशुराम ही थे।

भगवान परशुराम के किस्से- भगवान परशुराम राम के काल में भी थे और कृष्ण के काल में भी उनके होने की चर्चा होती है। ऐसा माना जाता है कि वे कल्प के अंत तक वे धरती पर ही तपस्यारत रहेंगे। पौराणिक कथा में वर्णित है कि महेंद्रगिरि पर्वत भगवान परशुराम की तप की जगह थी और अंततः वह उसी पर्वत पर कल्पांत तक के लिए तपस्यारत होने के लिए चले गए थे। जानिए परशुराम के किस्से -

- जब एक बार गणेशजी ने परशुराम को शिव दर्शन से रोक लिया तो, रुष्ट परशुराम ने उन पर परशु प्रहार कर दिया, जिससे गणेश का एक दांत नष्ट हो गया और वे एकदंत कहलाए।
- जनक, दशरथ आदि राजाओं का उन्होंने समुचित सम्मान किया। सीता स्वयंवर में श्री राम का अभिनंदन किया।

- कौरव-सभा में कृष्ण का समर्थन किया।
- उन्होंने भीष्म, द्रोण व कर्ण को शस्त्र विद्या प्रदान की थी। इस तरह परशुराम के अनेक किस्से हैं।
- असत्य वाचन करने के दंड स्वरूप कर्ण को सारी विद्या विस्मृत हो जाने का श्राप दिया था।

सार समाचार

इजराइल ने सुरक्षा गार्ड की हत्या करने वाले फलस्तीनी हमलावरों को गिरफ्तार किया

यरुशलम। इजराइली सेना ने कहा है कि उसने वेस्ट बैंक में एक यहूदी बस्ती के प्रवेश द्वार पर एक सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या करने वाले फलस्तीन के दो हमलावरों को गिरफ्तार किया है। वेस्ट बैंक में शुक्रवार देर रात किए गए हमले के बाद चलाए तलाश अभियान में ये गिरफ्तारियां की गयी। इजराइली सैनिकों, विशेष बलों और सीमा पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार बरामद किए। ये हथियार करावत बानी हसन गांव से बरामद किए गए। इस हमले से पहले से जारी इजराइल-फलस्तीन तनाव और बढ़ सकता है। इजराइली सेना ने कहा कि शनिवार तड़के हमलावर एरियल बस्ती के प्रवेश द्वार पर पहुंचे और सुरक्षा गार्ड को उसकी चौकी पर गोली मार दी और फिर वहां से फरार हो गए। इजराइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने सुरक्षा गार्ड के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद एक बयान में उन्होंने कहा, 'कोई भी आतंकवादी हमसे बच नहीं सकता।' इजराइली सेना ने यहूदी बस्ती के प्रवेश द्वार पर एक सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या करने वाले दो फलस्तीनी हमलावरों की तलाश के लिए शनिवार को उत्तरी वेस्ट बैंक में एक तलाश अभियान शुरू किया।

पोलियो से हारता पाकिस्तान, एक हफ्ते के भीतर सामने आया दूसरा केस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में दो साल की एक बच्ची पोलियो से संक्रमित पाई गई है। एक सप्ताह के भीतर पाकिस्तान में पोलियो का यह दूसरा मामला सामने आया है। पोलियो के दो मामले सामने आने के बाद पाकिस्तान के स्वास्थ्य अधिकारी चिंतित हो गए हैं, क्योंकि देश में आगामी ईद की छुट्टियों के मद्देनजर बड़े पैमाने पर लोगों के आवागमन में वृद्धि होने के कारण पोलियो के वायरस के फैलने का खतरा भी काफी बढ़ गया है। अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान दुनिया के उन दो देशों में शामिल है, जहां पोलियो खत्म होने की स्थिति में है। पोलियो का वायरस बेहद संक्रामक माना जाता है। जब तक पोलियो का सफाया नहीं हो जाता, तब तक दुनिया भर के बच्चों को जीवन भर लकवा होने या वायरस से मृत्यु होने का खतरा बना रहता है। पाकिस्तान की ओर से शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया, आज, एनआईएच, इस्लामाबाद में पाकिस्तान राष्ट्रीय पोलियो प्रयोगशाला ने उत्तरी वजीरिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा जिले की 24 महीने की एक बच्ची के मल के नमूने से टाइप - 1 जंगली पोलियो वायरस का पता लगाने की पुष्टि की है। 14 अप्रैल 2022 को बच्ची को लकवा मारने की शुरूआत हुई थी। इससे पहले 22 अप्रैल को 15 महीने के एक बच्चे के पोलियो वायरस के शिकार होने की पुष्टि हुई थी। दोनों ही बच्चे खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली इलाके के रहने वाले हैं।

दुर्लभ 'ब्लैक मून' ने सूर्य पर लगाया ग्रहण, दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका व अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में दिखा नजारा

वॉशिंगटन । सन 2022 का पहला सूर्य ग्रहण 30 अप्रैल को हुआ, लेकिन इसके साथ ही एक और खगोलीय घटना हुई। वह यह कि सूर्य पर ग्रहण लगाने वाला यह चांद एक ब्लैक मून था। ये सूर्य ग्रहण आंशिक रहा जो दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका और प्रशांत और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में देखा गया। भारतीय समय के अनुसार 30 अप्रैल और 1 मई की मध्य रात्रि को यह 12.15 बजे शुरू हुआ और करीब चार घंटे तक रहा। सूर्य ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी और सूर्य के बीच चांद आ जाए। चांद के बीच में आने से सूर्य की रोशनी पृथ्वी पर पूरी तरह नहीं पहुंचती और उसकी परछाई पृथ्वी को घेर लेती है।

हालांकि साल का पहला सूर्य ग्रहण एक आंशिक सूर्य ग्रहण था। यानी चांद का कुछ हिस्सा ही पृथ्वी पर सूर्य की रोशनी आने से रोक पाया। इसके साथ ही आंशिक सूर्य ग्रहण भी देखने वाली जगह पर निर्भर करता है। दक्षिण अमेरिकी में सूर्य ग्रहण के दौरान करीब 64 फीसदी हिस्से को चांद ने ढक लिया। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखने वाले ज्यादातर लोग इस सूर्य ग्रहण को नहीं देख सके, क्योंकि यह अंटार्कटिका, प्रशांत और अटलांटिक महासागर में हुआ जहां आबादी न के बराबर है। हालांकि दक्षिण अमेरिका के देश चिली, अर्जेंटीना, उरुग्वे का अधिकांश भाग, पश्चिमी पराग्वे, दक्षिण-पश्चिमी बोलीविया, दक्षिणपूर्वी पेरू और दक्षिण-पश्चिमी ब्राजील के कुछ हिस्से में यह दिखा। वहीं, दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोगों ने इसे लाइव देखा।

साल का पहला सूर्य ग्रहण महीने की दूसरी आमावस्या के साथ हुआ, जिसे ब्लैक मून भी कहा जाता है। एक आमावस्या तब होती है जब चांद को कोई भी रोशनी नहीं मिलती है। महीने में एक ही अमावस्या होती है, लेकिन ब्लैक मून बेहद दुर्लभ होता है जो 36 महीने में एक बार होता है। इसमें चांद पूरी तरह सूर्य की ओर होता है, जिससे वह हमें दिखता नहीं है। अगला सूर्य ग्रहण 25 अक्टूबर को है। यह भी आंशिक सूर्य ग्रहण होगा। इस आंशिक सूर्यग्रहण को यूरोप, पश्चिमी एशिया और पूर्वोत्तर अफ्रीका के हिस्सों से देखा जा सकेगा। इसके बाद 2023 तक अगला सूर्य ग्रहण नहीं है लेकिन 16 मई को चंद्र ग्रहण है।

पुतिन की सेना कब्जे वाले क्षेत्रों में अनाज जब्त कर रही है, यूक्रेन का रूस पर आरोप

कीव। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में रूसी हमलों के बीच देश के उप कृषि मंत्री तारास विसोत्स्की ने कहा है कि रूसी सेना अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में भारी मात्रा में अनाज जब्त कर रही है, जबकि इसके राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि युद्धग्रस्त देश ईंधन की कमी का सामना कर रहा है। विसोत्स्की ने शनिवार को यूक्रेनी टेलीविजन को बताया, 'आज, इस बात की पुष्टि हो गई है कि जापोरिजिज़िया, खेरसान, डोनेत्सक और लुहान्स्क क्षेत्रों से कुल मिलाकर कई लाख टन अनाज बाहर ले जाया गया है।' यूक्रेन दुनिया के प्रमुख अनाज उत्पादकों में से एक है और रूसी आक्रमण ने निर्यात को कम कर दिया है, जिससे विश्व में अनाज की कीमतें बढ़ गई हैं और आयात करने वाले देशों में गंभीर अनाज की कमी की चिंताएं बढ़ गई हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार रात कहा कि यूक्रेन को ईंधन की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है क्योंकि रूस ने उसके ईंधन बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है और उसके बंदरगाहों को अवरुद्ध कर दिया है। कीव, दनिप्रो और अन्य शहरों में ईंधन की कमी की सूचना मिली है। ईंधन स्टेशनों पर वाहनों को लाइन में खड़ा देखा जा सकता है और अधिकांश जगहों पर वाहन चालक एक बार में केवल 10 लीटर ईंधन खरीद सकते हैं। जेलेंस्की ने वादा किया था कि अधिकारी कमी को पूरा करने के लिए एक या दो सप्ताह के भीतर ईंधन आपूर्ति प्रणाली खोज लेंगे, लेकिन क्रेमेनचुक स्थित रिफाइनरी पर रूसी मिसाइल हमले के बाद इसे ह्यकठिन कामह्न कहा। जेलेंस्की ने कहा, 'तत्काल कोई समाधान नहीं है ह्न इस बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि युद्ध शुरू होने के बाद से मास्को ने यूक्रेन से 10 लाख से अधिक लोगों को निकाला है। लावरोव ने यह बात चीन की एक सरकारी समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में कही। लावरोव की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब यूक्रेन ने मास्को पर यूक्रेन के लोगों को जबरदस्ती देश से बाहर भेजने का आरोप लगाया है। लावरोव ने कहा कि इस आंकड़े में 300 से अधिक चीनी नागरिक शामिल हैं।

अमेरिका के स्टोन माउंटेन में प्रदर्शकारी मेमोरियल डे पर एकत्र लोगों की ओर जाते हुए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों से युद्ध न करने का आग्रह किया

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार देर रात रूसी में दिए अपने वीडियो संबोधन में रूसी सैनिकों से यूक्रेन में युद्ध न लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रूस के सैन्य अधिकारी भी जानते थे कि यूक्रेन युद्ध में हजारों रूसी सैनिक मारे जा सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस युद्ध के शुरूआती हफ्तों में नष्ट होने वाली अपनी सैन्य टुकड़ियों में नए जवानों की भर्ती कर रहा है, जिन्हें 'जंग लड़ने का अनुभव और प्रेरणा बेहद कम है', ताकि इन टुकड़ियों को युद्ध में दोबारा उतारा जा सके।

उन्होंने कहा कि रूस के कमांडर पूरी तरह से समझते हैं कि आने वाले सप्ताह में हजारों सैनिक मारे जाएंगे और हजारों अन्य घायल होंगे। जेलेंस्की ने कहा, 'रूसी कमांडर अपने सैनिकों से झूठ बोल रहे हैं कि युद्ध लड़ने से इनकार करने पर उनके खिलाफ गंभीर कार्रवाई की जा सकती है। वे उन्हें नहीं बता रहे हैं कि रूसी सेना शवों के भंडारण के लिए अतिरिक्त रेफ्रिजरेटर ट्रक की व्यवस्था कर रही है। वे उन्हें रूसी सैन्य अधिकारियों द्वारा भविष्य में होने वाले नुकसान को लेकर किए गए आकलन के बारे में नहीं बता रहे हैं।' यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, 'हर रूसी सैनिक अभी भी अपनी जान बचा सकता है। आपके लिए हमारी भूमि पर आकर अपनी जान कुर्बान करने से बेहतर है कि आप रूस में रहकर जीवित रहें।

फिर गृहयुद्ध की ओर बढ़ रही अफगानिस्तान सरकार

अफगानिस्तान की अशरफ गनी सरकार के कई धड़ों ने कई प्रांतों में धड़ाधड़ हमले शुरू किए

काबुल (एजेंसी)

अफगानिस्तान में करीब 2 दशक पहले तालिबान ने साल 2001 में बसंत के महीने में नाटो सेनाओं पर हमले शुरू किए थे। तालिबान की कोशिश थी कि अफगानिस्तान की सत्ता में फिर से काबिज हुआ जाए। अफगान पहाड़ियों पर बर्फ पिघल चुकी थी और तालिबानी आर्तकियों ने नाटो सैनिकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। अब जब तालिबान ने सत्ता हासिल कर ली है, एक बार फिर से समय का चक्र घूम गया है। अफगानिस्तान की अशरफ गनी सरकार के कई धड़ों ने कई प्रांतों में धड़ाधड़ हमले शुरू कर दिए हैं। ये तालिबान विरोधी गुट पश्चिमी देशों की ओर से प्रशिक्षित किए गए उन हजारों अफगान सैनिकों को अपने पाले में ला रहे हैं जिन्होंने अफगानिस्तान में सत्ता में बदलाव के बाद अपनी नौकरी गंवा दी है। इन पूर्व अफगान नेताओं का मानना है कि यह विद्रोह देश में एक राष्ट्रीय बगावत में बदल जाएगा क्योंकि तालिबानी शासन में महिलाओं, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन किया जाता है। ये विद्रोही गुट अफगानिस्तान से सटे पड़ोसी देशों और वैश्विक शक्तियों से मदद हासिल करने की कोशिश में हैं जो तालिबान के आने से चिंतित हैं। वह भी तब जब इस्लामिक स्टेट खुरासान ने अपने हमले तेज कर दिए हैं।

उधर, तालिबान का मानना है कि यह प्रतिरोध बहुत छोटा है और महत्वहीन है। इस प्रतिरोध से बेहद करीब से जुड़े अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के एक पूर्व अधिकारी ने कहा, 'तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कुछ भी नहीं बदला है। मुझे पूरा विश्वास है कि तालिबान के खिलाफ हम एक जोरदार बगावत को देखेंगे। अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा प्रभावी तालिबानी विरोधी गुट नेशनल रजिस्टेंस फ्रंट है जिसका नेतृत्व अहमद मसूद कर रहे हैं। अहमद मसूद नार्दन अलायंस के नेता रहे अहमद शाह मसूद के बेटे हैं। अफगानिस्तान के पूर्व उप राष्?ट्रपति अमरुल्ला सालेह अहमद मसूद के करीबी सहयोगी हैं। ये दोनों ही पंजशीर की घाटी से आते हैं। ये दोनों ही तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद देश से बाहर चले गए थे। उनके समर्थक लगातार पंजशीर घाटी में तालिबान के खिलाफ हमले कर रहे हैं। वहीं अंदराब इलाके में अफगानिस्तान के पूर्व गृहमंत्री मसूद अंदराई के समर्थक सबसे ज्यादा तालिबान को चोट दे रहे हैं। वे बेहद ऊंचाई पर बसे उत्तरी बगलान इलाके में लगातार हमले कर रहे हैं। वहीं मजार-ए-शरीफ में भी अफगान वॉरलार्ड रहे अत्ता मोहम्मद नूर के समर्थक तालिबान के साथ खूनी संघर्ष में भिड़ गए। इस लड़ाई में नूर का भांजा मारा गया। अफगानिस्तान के कई अन्य प्रांतों में भी हमले तेज हो गए हैं।

पाकिस्तान की नयी सरकार के खिलाफ हुई सऊदी अरब में नारेबाजी, इमरान खान सहित 150 पर केस दर्ज

लाहौर। (एजेंसी)

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने सऊदी अरब में मस्जिद-ए-नवाबी पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके शिष्टमंडल के खिलाफ नारेबाजी करने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और 150 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों में इमरान के मंत्रिमंडल का हिस्सा रह चुके कुछ सदस्य भी शामिल हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो में देखा जा सकता है कि शरीफ और उनका शिष्टमंडल पिछले बृहस्पतिवार को जैसे ही मदीना में पैगंबर की मस्जिद पर पहुंचा, वैसे ही कुछ जायरीन ह्यचोरह्न और 'गद्दार' कहकर उसके खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

इन जायरीनों को इमरान का समर्थक माना जा रहा है। पाकिस्तानी जायरीनों ने शिष्टमंडल के सदस्यों के खिलाफ अपशब्दों का भी प्रयोग किया। मदीना पुलिस ने दावा किया है कि इस संबंध में पांच पाकिस्तानियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, पंजाब पुलिस ने शनिवार रात इमरान और 150 अन्य लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी में पूर्व मंत्री फवाद चौधरी और शेख रशीद, इमरान के पूर्व सलाहकार शाहबाज गुल, नेशनल असेंबली के पूर्व उपाध्यक्ष कासिम सूरी व लंदन में इमरान के करीबी सहयोगी अनिल मुसर्रत तथा साहिबजादा जहांगीर भी नामजद हैं। अधिकारियों के अनुसार, लाहौर से लगभग 180 किलोमीटर दूर फैसलाबाद के एक पुलिस थाने में स्थानीय निवासी नईम भाटी की शिकायत पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे ने राजनीतिक दलों से मतभेद भुलाने का आह्वान किया

कोलंबो। (एजेंसी)

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने रविवार को कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने मतभेदों को भुला दें और सभी जनहित को ध्यान में रखें। गौरतलब है कि देश इस समय सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है और सरकार से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की जा रही है। राजपक्षे ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर जनता को दिए संदेश में मतभेद भुलाने और जनहित को ध्यान में रखने की बात कही।

इससे एक दिन पहले श्रीलंका की शक्तिशाली बौद्ध धार्मिक संस्था ने चेतावनी दी थी कि अगर गोटबाया के बड़े भाई एवं देश के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने देश के राजनीतिक और आर्थिक संकट को सुलझाने के लिए अंतरिम सरकार बनाने के वास्ते इस्तीफा नहीं दिया तो लोग सभी नेताओं को खारिज कर देंगे।

गोटाबाया ने ट्वीट किया, ह्यह्यअंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मैं एक बार फिर सभी राजनीतिक दलों को एक साथ आने का आमंत्रण देता हूं। आइये राजनीतिक मतभेदों को भूलकर जनहित के संघर्ष में हाथ मिलाएं।

ब्रिटिश कोर्ट ने एडविना-नेहरू के खतों को सार्वजनिक करने से इनकार किया, बेकार गया ब्रिटिश लेखक का प्रयास

लंदन (एजेंसी)

एंड्रयू लोअनी नाम के एक ब्रिटिश लेखक इन दिनों खूब चर्चा में हैं। पिछले कुछ सालों में उन्होंने भारत के आखिरी वायसराय लार्ड माउंटबेटन की पत्नी एडविना की व्यक्तिगत डायरी प्राप्त करने के लिए लंबी और खर्चीली कानूनी लड़ाई लड़ी। लेकिन 3।5 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद वह यह कानूनी लड़ाई हार गए हैं। ब्रिटेन के एक ट्रिब्यूनल ने निजी डायरी और एडविना माउंटबेटेन और जवाहर लाल नेहरू के बीच लिखे गए पत्रों को ब्रिटिश लेखक को देने से मना कर दिया है। जज सोफी बकले ने लेखक एंड्रयू लाउनी की अपील को खारिज कर दिया।

एंड्रयू लोअनी उन पत्रों को भी हासिल करना चाहते थे जो एडविना माउंटबेटन और जवाहरलाल नेहरू ने 1947 और 1960 के बीच एक-दूसरे को भेजे थे। ट्रिब्यूनल ने पाया कि साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय नेहरू और एडविना के बीच भेजी गईं चिट्ठियां नहीं हैं। न्यायाधीश ने पाया कि यूनिवर्सिटी लॉर्ड बेब्रोर्न की तरफ से कुछ पेपर्स को संभाल कर

रखे हुई थी।

यूनिवर्सिटी के पास विकल्प था कि वो इन पत्रों को 100 पाउंड में खरीद सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। न्यायाधिकरण (सूचना अधिकार) के न्यायाधीश सोफी बकले ने लॉर्ड एंड लेडी माउंटबेटन की व्यक्तिगत डायरी और एडविना माउंटबेटन और जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तिगत पत्रों को जारी करने के लिए उनकी याचिका को खारिज करने के बाद ब्रिटिश लेखक एंड्रयू लोनी ने कहा कि मैं नहीं समझता हूं कि कुछ भी सनसनीखेज बचा है, ये गैर मामूली चीजों के लिए बड़ी कानूनी लड़ाई थी। ब्रिटिश लेखक लोअनी ने इस केस को लड़ने के लिए 3 लाख पाउंड खर्च किए। उन्होंने पैसों के लिए उन्होंने क्राउड फंडिंग भी की। उन्होंने कहा कि वे लोग जो कुछ भी छिपाने की कोशिश कर रहे थे, उनमें से ज्यादातर चीजें पहले से ही पब्लिक डोमेन में मौजूद हैं। लोअनी ने कहा उन्हें संदेह है कि दस्तावेजों को इसलिए नहीं जारी किया गया क्योंकि वो पाकिस्तान और भारत के संबंध में है। उन्होंने कहा एडविना की प्रकाशित डायरी में जिन्ना के मनोरोगी होने का जिक्र है। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि इसका खुलासा होने से पाकिस्तान के साथ संबंध प्रभावित होने वाले हैं।

ताइवान पर चीन से युद्ध का बढ़ा खतरा, अमेरिका ने ब्रिटेन के साथ बनाई जंगी रणनीति

- चीन ताइवान के पास लगातार बड़ी संख्या में भेज रहा है फाइटर जेट और बॉम्बर

वॉशिंगटन (एजेंसी)

यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका ने ताइवान को लेकर चीन के साथ जंग के बढ़ते खतरे को देखते हुए पहली बार यूरोपीय सहयोगियों के साथ रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। चीन के बेहद आक्रामक रूख को देखते हुए अमेरिका ने ब्रिटेन के आला अधिकारियों के साथ बैठक की है। इस बैठक का मकसद चीन के साथ युद्ध के खतरे को कम करने के लिए ज्यादा करीबी सहयोग की संभावना तलाश करना और संघर्ष की स्थिति के लिए आपात योजना बनाना था। एक ब्रिटिश अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस के हिंद- प्रशांत क्षेत्र के समन्वयक कुर्त कैंपबेल और चीन पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की शीर्ष अधिकारी लौरा रोजेनबर्गर ने मार्च में ताइवान को लेकर ब्रिटिश अधिकारियों के साथ अहम बैठक की थी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका चाहता है कि यूरोपीय संघ के सहयोगियों जैसे ब्रिटेन के साथ सहयोग को बढ़ाया जाए। अमेरिका ने यह बैठक ऐसे समय पर की है जब चीन का ताइवान के प्रति आक्रामक रवैया बढ़ता जा रहा है। चीन ने ताइवान के पास लगातार बड़ी संख्या में फाइटर जेट और बॉम्बर भेज रहा है। इसी को देखते हुए अमेरिका ने जापान और ऑस?ट्रेलिया के साथ गहन बातचीत शुरू कर दी है। अमेरिका के इंडो-पैसफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल जॉन अक्विलिनो ने कहा है कि यूक्रेन की जंग ने ताइवान को लेकर चीन के खतरे को रेखांकित किया है। एक ब्रिटिश अधिकारी ने कहा कि ताइवान को लेकर हुई बैठक में इस पर चर्चा हुई कि ब्रि?टेन किस तरह से ताइवान के साथ मिलकर कूटनीतिक तरीके से एशिया में प्रतिरोध को बढ़ा सकता है।

अमेरिकी और ब्रिटिश अधिकारियों में हुई इस चर्चा में यह भी बातचीत हुई कि अगर ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच जंग शुरू होती है तो ब्रिटेन किस तरह की भूमिका को निभा सकता है। यही नहीं अब अमेरिका ने ताइवान को लेकर अपने सहयोगी देशों को खुफिया सूचना भी साझा करना शुरू कर दिया है। एक ब्रिटिश अधिकारी ने कहा कि यह बैठक ताइवान को लेकर हुई अब तक की सभी बैठकों में सर्वोच्च स्तर की थी और सबसे महत्वपूर्ण थी। ताइवान मामलों के एक विशेषज्ञ ने कहा कि यह एक सही रणनीति है कि ताइवान को लेकर विचार विमर्श बढ़ाया जाए। अमेरिका और ब्रिटेन को युद्ध को लेकर अपने मतभेदों को खत्म करना होगा और संभावित संघर्ष के लिए खुद को तैयार करना होगा। खासतौर पर यूक्रेन जंग को देखते हुए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी हो गया है कि जब भी आवश्यकता हो जोरदार तरीके से जवाब दिया जाए। अमेरिका और ब्रिटेन के बीच बढ़ते सहयोग का उदाहरण यह है कि ब्रिटिश एयरक्राफ्ट कैरियर करीब 6 महीने तक हिंद प्रशांत क्षेत्र में तैनात था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बुलडोजर का डर, 78 हिस्ट्रीशीटरों का थाने में सरेंडर, 1500 से ज्यादा अपराधियों ने अपराध न करने की ली शपथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हरदोई से एक अनोखी तस्वीर सामने आई है। हरदोई के पिहानी थाने में 78 हिस्ट्रीशीटर ने थाने पहुंच कर सरेंडर किया। बदमाशों में बुलडोजर का खौफ है। इसी खौफ के कारण गले में तख्ती डालकर खुद थाने पहुंचे और अपने गुनाहों का पश्चाताप करने लगे। मिजार्पुर पुलिस का कहना है कि बुलडोजर का खौफ अपराधियों के सिर चढ़कर बोल रहा है। वहीं हरदोई में अब तक करीब 1500 से ज्यादा हिस्ट्रीशीटर्स ने थाने पहुंचकर अपराध न करने का किया वादा। यूपी पुलिस का कहना है कि अपराध करके जो प्रॉपर्टी जमा की है। जिन्हें जब्त करने या गिराने का जो आदेश होता है। उसके परिदृश्य में चिन्हात्रण किया जा रहा है। कुछ संपत्तियां हमने चिन्हित भी की है। इसका निश्चित पर एक हनक अपराधियों पर है। इसके परिणाम स्वरूप ये उसी क्रम में सामने आया है। वहीं पुलिस का कहना है कि जनपद में 2000 से ज्यादा की संख्या में हिस्ट्रीशीटर हैं। जिनके द्वारा विभिन्न अपराध किए गए हैं। उन पर सख्त नजर रखी जाती है। थाने पर हाजिरी के लिए बुलाया जाता है। ऐसा ही बीते दिनों शाहजहांपुर में देखने को मिला। पुलिस द्वारा जिले में लगातार मादक पदार्थों और अवैध शराब के विरुद्ध की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से डरकर पांच शराब माफिया थाने पहुंच गए। इस दौरान उनके हाथों में तख्ती थी जिस पर लिखा था कि हम लोग शराब बनाते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री की नीतियों से प्रभावित होकर शराब बनाना छोड़ रहे हैं। हम पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने आये हैं।

प. बंगाल में आंधी के साथ तेज बारिश ने बरपाया कहर, अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौत

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में आंधी और बारिश से जुड़ी घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। शनिवार शाम कोलकाता सहित बंगाल के दक्षिणी जिलों में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हुई। पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में बिजली गिरने से 1 महिला और उसके बेटे की मौत हो गई है। खड़गपुर में बांस का गेट गिरने से 1 व्यक्ति की मौत हो गई। आंधी-तूफान के चलते कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए। बारिश के बाद लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। पश्चिम बंगाल में ऐसी स्थिति को काल बैसाखी कहते हैं। बांग्लादेश में भी भीषण तूफान को काल बैसाखी कहते हैं। नदिया जिले में आंधी के कारण पेड़ की डाल टूटकर गिरने से रवींद्रनाथ प्रमाणिक (62) नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति आंधी की चपेट में आकर घायल हो गया। दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालूरघाट में तेज आंधी तूफान की वजह से कई गांवों में भारी नुकसान पहुंचा है। इधर, पूर्व बर्धमान जिले के कटवा-अजीमगंज शाखा में रेल पटरी के उपर ओवरहेड तार पर पेड़ की टकनी गिरने की वजह से ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई। हालांकि राजधानी कोलकाता में वैसी बारिश नहीं हुई है। कोलकाता व इसके आसपास के जिलों हावड़ा, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना व हुगली में हल्की बारिश हुई है। विभिन्न जिलों में शनिवार को आसमान में काले बादल छाए रहे। पुरुलिया, बांकुडा, बीरभूम, मुर्शिदाबाद, दुर्गापुर व बर्धमान जिले में भी तेज हवा के साथ बारिश हुई। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक राज्य में छिटपुट बारिश जारी रहेगी और भीषण गर्मी में थोड़ी कमी आएगी। राज्य में फिर से चक्रवात आने की संभावना है। मौसम विभाग ने मई के पहले सप्ताह में चक्रवात के संकेत दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इस समय दक्षिण बंगाल में दक्षिण-पश्चिमी हवा चल रही है, जो उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक गंगीय क्षेत्र में एक निम्न दबाव बना रही है। इसके प्रभाव से राज्य में अगले 4 से 5 दिनों तक हल्की और तेज बारिश की संभावना है। कोलकाता व आसपास के जिलों में भी बारिश की संभावना है।

मंदिर तोड़ा जाना हिंदुओं को अपमानित करने का प्रयास : प्रवीण तोगड़िया

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने रविवार को कहा कि मंदिरों का तोड़ा जाना हिंदुओं को अपमानित करने का प्रयास है। तोगड़िया ने राजस्थान के अलवर जिले में अतिक्रमण हटाने के दौरान एक मंदिर तोड़े जाने की घटना के संदर्भ में उक्त बात कही। स्थानीय लोगों का दावा है मंदिर 300 साल पुराना था और उसे गिराए जाने के दौरान गर्भगृह में स्थापित देव मूर्तियों का निरादर किया गया। तोगड़िया ने कहा, 'यह दुखद है... मंदिर नहीं टूटने चाहिए। कांग्रेस और भाजपा दोनों एक मत हों कि देश में जहां भी उनकी सरकार है वहां मंदिर नहीं टूटेंगे क्योंकि मंदिर टूटना हिंदुओं को अपमानित करने का प्रयास है।' गौरतलब है कि अलवर के राजगढ़ नगरपालिका क्षेत्र में 14 अप्रैल को अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान एक प्राचीन मंदिर को ढहाने को लेकर विवाद हो गया था। इसे लेकर कांग्रेस-भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर अब भी जारी है। देश के धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकर हटाने और वैध रूप से लगे लाउडस्पीकर की आवाज धीमी या सीमा के भीतर रखने को लेकर चलाए गए अभियान पर तोगड़िया ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के आदेशों-निर्देशों का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारे जाने चाहिए और यदि मस्जिद में लाउडस्पीकर रखना है तो उसकी आवाज परिसर से बाहर सुनाई नहीं देनी चाहिए।

यौन उत्पीडन के आरोप के बाद एक्टर विजय बाबू ने लगाई अग्रिम बेल की अर्जी, एक और महिला ने लगाया जबरन किस करने का आरोपा

हैदराबाद। साउथ एक्टर विजय बाबू पर खतरा गहराता जा रहा है। उन पर एक मुसीबत खत्म नहीं हो पा रही है कि दूसरी मुसीबत में वो फंसते दिख रहे हैं। अब उन पर दूसरी महिला ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। इस महिला का आरोप है कि उन्होंने 20 मिनट की मुलाकात के बाद ही किस करने का प्रयास किया। इससे पहले एक एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाया था, जिसके बाद से पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

लुकआउट नोटिस जारी होने के बाद उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए केरल हाईकोर्ट में अर्जी लगाई है, इसी बीच उन पर नया आरोप लगाया गया है। उन पर एक महिला ने जबरन किस करने का आरोप लगाया है। महिला ने प्रोड्यूसर और एक्टर विजय बाबू पर इंस्टाग्राम पेज मी टू केरल पर यह आरोप लगाया है।

महिला का कहना है कि विजय ने महज 20 मिनट की मुलाकात में ही उसे किस करने की कोशिश की। महिला ने बताया कि वह काम पाने के लिए एक्टर से मुलाकात के लिए गई थी। उन्हें मिले केवल 20-30 मिनट ही हुए होंगे और एक्टर ने उन्हें किस करने की कोशिश की। पीड़िता ने कहा कि इस घटना के बाद वह बेहद डर गई और उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से ही दूरी बना ली।।

महिला ने अपनी पोस्ट में लिखा जिस समय मैं वहां पहुंची वह शराब पी रहा था। उसने मुझे भी शराब आफर की। मैंने मना कर दिया। इसी दौरान वह बिना किसी रजामंदी के अचानक लिप्स पर किस करने के लिए झुका, मैंने दूरी बनाते हुए पीछ हटकर किसी तरह से अपना बचाव करने का प्रयास किया।

पद संभालते ही चीन को लेकर नए सेना प्रमुख का सख्त अंदाज, कहा- एलएसी पर किसी की भी टेढ़ी नजर को नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

मुंबई (एजेंसी)

जनरल मनोज पांडे ने नए सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। वे 29वें सेना प्रमुख बने। भारतीय थल सेना के नए प्रमुख जनरल मनोज पांडेय ने पद संभालते ही चीन को लेकर बड़ा बयान दिया है। एएनआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में नए भारतीय सेना प्रमुख ने कहा कि एलएसी पर अभी स्थिति सामान्य है। यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने के लिए हमारे विरोधी द्वारा एकतरफा और उकसाने वाली कार्रवाई की गई जिसका मुझे लगता है कि पर्याप्त जवाब दिया गया है। सेनाध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालते हुए आर्मी चीफ पांडे ने कहा कि मेरे लिए ये गर्व की बात है कि मुझे थल सेना के नेतृत्व का दायित्व सौंपा जा रहा है जिसे मैं पूरी विनम्रता से स्वीकार करता हूं। भारतीय सेना का एक गौरवशाली इतिहास रहा है जिसने देश की सुरक्षा और अखंडता को कायम रखने के कार्य में बखूबी काम किया है।

सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने कहा कि दिल्ली उसी प्रकार थलसेना का देश निर्माण में उतना ही योगदान रहा है। मैं देशवासियों को आश्वासन देना चाहता हूं कि भारतीय सेना स्वतंत्रता , स्वाधीनता और समानता पर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मेरी कोशिश रहेगी कि पूर्ववर्तियों द्वारा किए गए अच्छे काम को मैं आगे बढ़ाओं। इसके साथ ही चीन को लेकर उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच बातचीत की प्रक्रिया जारी है और हम जब दूसरे पक्ष से बात करेंगे तो हमें हल मिलेगा। हमें विश्वास है कि दूसरे पक्ष से बात करते हुए हमें चल रहे मुद्दों का समाधान मिलेगा।

सेना प्रमुख जनरल पांडे ने कहा कि पिछले दो वर्षों में हमने खतरे का आकलन किया है और अपने बलों को फिर से संगठित और पुनर्गठित किया है। उन्होंने कहा, 'जहां तक ??एलएसी की स्थिति का सवाल है, हमारे सैनिक यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत दृढ़ और संकल्प के साथ मौजूद हैं, यथास्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। नए सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना के जवान महत्वपूर्ण फिजिकल पोजीशन पर तैनात हैं और इस सब में हम बहुत स्पष्ट हैं कि हम यथास्थिति में किसी भी बदलाव और क्षेत्र के किसी भी नुकसान की अनुमति नहीं देंगे।

सीएम योगी ने त्योहारों पर बिजली आपूर्ति सुचारू रखने दिए निर्देश, नहीं होगी कटौती

लखनऊ (एजेंसी)

भीषण गर्मी के बीच ईद और परशुराम जयंती के त्योहार पड़ रहे हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश में बिजली किल्लत को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बिजली आपूर्ति को सुचारू रखने का निर्देश दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को टीम-09 के साथ समीक्षा बैठक में अधिकारियों को प्रदेश में बिजली की मांग तथा आपूर्ति में भी समन्वय बनाने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और ईद के अवसर पर प्रदेश में बिजली आपूर्ति सुचारू रखें। कहीं पर भी अनावश्यक कटौती न हो। इसके साथ ही उनका निर्देश है कि सभी धर्मिक स्थलों के आसपास स्वच्छता, पेयजल आदि के प्रबंध किए जाएं। लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते दिनों कीदिल्ली यात्रा के दौरान मेरी गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही ऊर्जा मंत्री और रेल मंत्री के साथ बिजली आपूर्ति के सम्बंध में सकारात्मक बातचीत हुई। तीनों माननीय मंत्रीगणों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। कोयले की ढुलाई के लिए रेलवे हमें अतिरिक्त रैक देने जा जा रहा है तो भारत सरकार से अतिरिक्त बिजली भी प्राप्त होगी। इस दौरान भी रोस्टर के अनुरूप निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए समुचित प्रबंध किए जाएं। फिलहाल स्थिति सामान्य है और रोस्टर के अनुरूप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी उपभोक्ता को गलत बिजली बिल न मिले और सभी को समय से बिल मिल जाए। इस दौरान भी ओवरबिलिंग अथवा विलंब से बिल दिया जाना उपभोक्ता को परेशान तो करता ही है, व्यवस्था के प्रति निराश भी करती है और वह बिल जमा करने के प्रति उत्साहित नहीं होता। ऐसे में समय से बिल और सही बिल दिया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। सीएम योगी ने कहा कि बिजली आपूर्ति होती रहे इसके लिए बिल का भुगतान जरूरी है। बिजली का उपभोग करने वाले हर उपभोक्ता की यह जिम्मेदारी है कि वह समय से बिजली बिल का भुगतान करे।

महाराष्ट्र के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई (एजेंसी)

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर संयुक्त (एकीकृत) महाराष्ट्र आंदोलन के 105 शहीदों को श्रद्धांजलि दी। आंदोलन के बाद वर्ष 1960 में आज के ही दिन महाराष्ट्र का गठन हुआ था। राज्यपाल बी एस कोश्यारी भी रविवार को यहां दादर क्षेत्र के शिवाजी पार्क में राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने पत्नी रश्मि ठाकरे और बेटे आदित्य ठाकरे के साथ दक्षिण मुंबई के हुतात्मा चौक (शहीद स्मारक) जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ठाकरे ने बाद में एक ट्वीट में कहा, महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। पिछले दो वर्ष में महाराष्ट्र स्थापना दिवस कोविड-19 महामारी से संबंधित प्रतिबंधों के बीच मनाया गया था। हालांकि, राज्य में कोविड-19 के मामलों की संख्या में गिरावट के कारण अब प्रतिबंध हटा दिए गए हैं।

भरूच की रैली में बोले केजरीवाल, दिल से दिल का रिश्ता बनाने गुजरात आया, 'आप' को एक मौका दीजिए

भरूच (गुजरात) (एजेंसी)

अरविंद केजरीवाल मिशन गुजरात पर है और लोगों से ये कह रहे हैं कि अगर ईमानदार सरकार चाहिए तो आम आदमी पार्टी को एक मौका दीजिए। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भरूच में आदिवासी संकल्प महासम्मेलन में हिस्सा लिया। जिसके बाद आप के संयोजक ने जनसभा को संबोधित किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि

बीजपी और कांग्रेस पार्टी सिर्फ अमीरों को अमीर बना रही है लेकिन मैं आपको कहता हूं कि हमें एक मौका दे दो हम आपकी गरीबी दूर कर देंगे। हम लोग आपके साथ खड़े हैं और हम गरीबों और आम लोगों की पार्टी है।

केजरीवाल ने कहा कि गुजरात की बीजेपी सरकार ने पूरी दुनिया में पेपर लीक करने के मामले में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। मैं भूपेंद्र पटेल को चुनौती देता हूं कि वो एक पेपर बिना लीक कराए हुए परीक्षा करा दें। मैंने सुना गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की मीटिंग हुई है। वो सबसे ज्यादा पेपर लीककरने के मामले में बीजेपी का नाम डालने वाले हैं। मानना पड़ेगा, भाजपा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। केजरीवाल ने कहा कि 27 साल से गुजरात में बीजेपी की सरकार है। इन्होंने स्कूलों का बुरा हाल कर दिया। बीजेपी को 5 साल और दे दोगे तो भी ये कुछ नहीं करेंगे। हमे एक मौका दे दो। अगर 5 साल में गुजरात के सरकारी स्कूलों को ठीक नहीं किया तो हमें वोट मत देना। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के सरकारी स्कूलों की बहुत बुरी हालत है। लाखों बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है, लेकिन दिल्ली की तरह गुजरात भी बदल सकता है। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में में जज, अफसर और रिक्शेवाले के बच्चे एक ही बेंच पर बैठकर पढ़ते हैं। बीजेपी वाले व्हाट्सएप पर चला रहे हैं ₹केजरीवाल के सरकारी स्कूल खराब हैं।₹मैं गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल जी को आमंत्रित करता हूं, आइए, हमारे स्कूल और अस्पताल देखिए। ऐसे ही मत आलोचना करिए। इसके साथ ही कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कांग्रेस तो अब खत्म है, है कि नहीं है। कांग्रेस के अच्छे नेताओं से कहना चाहता हूं आ जाओ। देश के 2 सबसे अमीर आदमी गुजरात से आते हैं। देश के सबसे गरीब आदिवासी भी गुजरात से ही आते हैं। कांग्रेस और बीजेपी अमीरों के साथ खड़ी है। अमीरों को और अमीर बना रही है। आम आदमी पार्टी गरीबों के साथ खड़ी है।

गांवों के शहरीकरण के कारण उत्पन्न होने वाले मुद्दों के लिए नीति की जरूरत: शरद पवार

पुणे। (एजेंसी)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को गांवों के शहरीकरण के कारण उत्पन्न होने वाले मुद्दों से निपटने के लिए एक नीति की जरूरत पर जोर दिया। पवार महाराष्ट्र में पुणे जिला परिषद के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे और उन्होंने स्थानीय निकायों के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। राज्य के 81 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी जिला परिषद का चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन जन्म के पांच दिन बाद ही वह एक स्थानीय निकाय की बैठक में गए थे, क्योंकि उनकी मां स्थानीय निकाय की सदस्य थीं जो उन्हें अपने साथ वहां लेकर गई थीं। पवार ने कहा, 'गांवों के शहरीकरण के कारण उत्पन्न होने वाले मुद्दों से निपटने के लिए एक नीति की जरूरत है।

शहरीकरण से स्थानीय प्रशासनों पर दबाव बढ़ रहा है जो कोष से संबंधित मुद्दों का भी सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार और केंद्र को इस पर ध्यान देना चाहिए।' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि स्थानीय निकायों की जरूरतें बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि पहले पानी की सीमित जरूरत थी, लेकिन अब स्थानीय निकाय हर घर में पानी पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा है। बिजली की मांग भी बढ़ रही है और महाराष्ट्र में इस सेक्टर पर संकट मंडरा रहा है। उन्होंने कहा, 'इस पर जब हमारी बैठक हुई, तो कुछ अधिकारियों ने हमें बताया कि ग्राम पंचायतें बिजली बिलों का भुगतान नहीं कर रही हैं। जब मैंने जांच की, तो मैंने इसे सही पाया।' पवार ने गांवों में सीबीएसई स्कूलों को लेकर लोगों की मांग पर भी प्रकाश डाला। पवार ने कहा कि उन्हें हाल में पता चला है कि राज्य के 28 पूर्व जिला परिषद सदस्य विधायक बने, पांच मंत्री बने और एक सांसद भी बना।

पवार ने कहा, 'मैंने कभी भी जिला परिषद में काम नहीं किया और न ही कभी उसका चुनाव लड़ा, लेकिन स्थानीय निकाय की एक बैठक में गया। मेरी मां 1938 में एक स्थानीय निकाय के लिए चुनी गईं और वह 1952 तक इसकी सदस्य रहीं। मेरा जन्म 12 दिसंबर 1940 को हुआ था और मेरे जन्म के पांच दिन बाद मेरी मां मुझे स्थानीय निकाय की बैठक में ले गईं।

रूठे आजम खान को मनाने अखिलेश की कवायद, मुलाकात के लिए भेजेंगे एक और दूत

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव से रूठे चल रहे मुस्लिम नेता आजम खान से पिछले दिनों शिवपाल सिंह यादव समेत कई नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं, लेकिन अखिलेश यादव की ओर से भेजे नेताओं से उन्होंने मिलने से इनकार कर दिया था। अब सपा गठबंधन के एक और साथी ओम प्रकाश राजभर भी आजम खान से मिलने के लिए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि वह अखिलेश यादव का संदेश लेकर आजम खान के पास जा सकते हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भी आजम खान से मुलाकात की थी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओपी राजभर ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि वह आजम खान से मिलना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने उनके वकील से समय निश्चित करने को कहा है। हालांकि, यह पूछे जाने पर कि क्या वह अखिलेश यादव के कहने पर आजम खान से मिलने के लिए जा रहे हैं, राजभर ने इससे इनकार किया और कहा कि वह अपनी इच्छा के मुताबिक ऐसा करने जा रहे हैं। राजभर ने ओवैसी और आजम के बीच तुलना करते हुए यह भी कहा कि आजम का यूपी में सिक्का चलता है और ओवैसी की यहां कोई पकड़ नहीं है। राजभर ने शिवपाल और आजम खान की मुलाकात के पीछे बीजेपी को जिम्मेदार बताया और कहा कि भाजपा के कहने पर ही ऐसा हुआ है। राजभर ने कहा, 'शुरूआत हुआ इस बात से कि शिवपाल जी भाजपा में जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का बयान, बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मातृ में शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए रविवार को कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा मातृ में होनी चाहिए। नायडू ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के शताब्दी समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को हमारी संस्कृति पर भी ध्यान देना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा, यदि बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा उनकी मातृमें दी जाए तो वे उसे आसानी से समझ सकेंगे। लेकिन, यदि प्रारंभिक शिक्षा किसी अन्य में दी जाती है, तो पहले उन्हें वह सीखनी होगी और फिर वे समझेंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को पहले अपनी मातृसीखनी चाहिए और फिर दूसरी भाषाएं सीखनी चाहिए। नायडू ने कहा, सभी को अपनी मातृमें प्रवीण होना चाहिए और उससे संबंधित मूल विचारों का बोध होनाचाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू शताब्दी समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए जबकि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान विशिष्ट अतिथि थे। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर सौ रुपये का एक स्मारक सिक्का, एक स्मारक शताब्दी टिकट और दिल्ली विश्वविद्यालय के अब तक के सफर को प्रदर्शित करने वाली एक स्मारक शताब्दी पुस्तिका भी जारी की।

नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को एक कार्यक्रम में की गयी उस टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें अदालतों में स्थानीय के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया था। उन्होंने कहा, कल प्रधानमंत्री मोदी ने अदालतों में स्थानीय भाषाओं की आवश्यकता के बारे में भी बात की थी। केवल अदालतें ही क्यों, इसे हर जगह लागू किया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने दिल्ली विश्वविद्यालय को 100 साल पूरे करने पर बधाई भी दी। नायडू ने कहा, मैं इस विश्वविद्यालय की उन्नति, विकास और प्रगति के लिए तथा इसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बनाने के लिए सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूं। नायडू ने इस अवसर पर स्नातक पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022 (हिंदी संस्करण) और स्नातक पाठ्यचर्या की रूपरेखा- 2022 (संस्कृत संस्करण) भी जारी किया। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की गईं उपलब्धियों को दशार्ने वाली पुस्तिका ह्यदिल्ली विश्वविद्यालयःएक झलकह्न भी जारी की गयी।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने से छात्रों की रचनात्मकता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रधान ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय के महत्व पर जोर दिया गया है। स्थानीय छात्रों की रचनात्मकता को दिशा देने में मदद करती है। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने कहा, हमने अकादमिक उत्कृष्टता के 100 साल पूरे कर लिए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय बहुत अच्छा कर रहा है। हम भारतीयों के जीवन में अपना योगदान देना जारी रखेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्राइवेट संस्थाओं और निजी विश्वविद्यालय को लेकर आयोजित हुआ 97 वां आरटीआई वेबिनार

प्राइवेट यूनिवर्सिटी से संबंधित उत्तरपुस्तिकाओं की जानकारी आरटीआई के दायरे में - सूचना आयुक्तराहुल सिंह।

सूचना छिपाने और प्राप्त करने का संघर्ष सदियों पुराना है - राजेन्द्र गहरवार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti. krantisamay.com

सूचना के अधिकार कानून और प्राइवेट संस्थान जैसे स्कूल, नर्सिंग होम, निजी विश्वविद्यालय, सहकारी संस्थाएं आदि से जानकारी कैसे प्राप्त करें इन विषयों को लेकर 97 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप, वर्तमान मध्य प्रदेश सूचना आयुक्त राहुल सिंह, माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक भास्कर प्रभु एवं राजेंद्र सिंह गहरवार सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी,और उनकी टीम के द्वारा किया गया।

शासन द्वारा आंशिक वित्त पोषित संस्थाएं भी आरटीआई के दायरे में - पूर्व सूचना आयुक्तआत्मदीप

कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए मध्य प्रदेश के पूर्व सूचना आयुक्त आत्मदीप ने लगभग 20 मिनट का प्रेजेंटेशन दिया जिसमें उन्होंने बताया कि आज के दौर में कई ऐसी संस्थाएं जो सहकारिता विभाग से संबंधित हैं अथवा प्राइवेट किस्म के संस्थान है वह ज्यादातर आरटीआई के दायरे में आते हैं। उनके द्वारा बताया गया कि जब से शिक्षा के अधिकार का कानून आया है तो सरकार ने प्राइवेट स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें रिजर्व करने के निर्देश दिए हैं। इन प्राइवेट स्कूलों में शासन की राशि खर्च होती है अत: स्वाभाविक तौर पर यह आरटीआई के दायरे में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान सरकारी राशन की दुकानों को लेकर उन्होंने आदेश दिया था जिसके बाद मध्य प्रदेश के सभी राशन की दुकानें आरटीआई के दायरे में आ चुकी है और इसके लिए विधिवत दिशानिर्देश भी जारी हो चुके हैं।

इसी प्रकार अन्य निजी संस्थानों के विषय में उनके द्वारा बताया गया कि यदि निजी संस्थानों के विषय में जानकारी चाहिए तो उसके लिए उस जिम्मेदार विभाग से बहुत सी जानकारी प्राप्त की जा सकती है जहां संबंधित निजी संस्थान अपनी जानकारियां समय-समय पर देते रहते हैं।

विश्वविद्यालय नियामक आयोग के विषय में भी उन्होंने बताया कि यहां भी निजी विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियां भी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

ट्रस्ट और सहकारी संस्थायें भी आरटीआई के दायरे में - सूचना आयुक्तराहुल सिंह

मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह ने पार्टिसिपेंट्स के प्रश्नों का जवाब देते हुए बताया की ट्रस्ट और सहकारी संस्थाएं भी आरटीआई के दायरे में आती है। उन्होंने इसी संदर्भ में एक आरटीआई के विषय में चर्चा की और कहा कि उसकी जानकारी के लिए उन्होंने आदेशित किया था। ट्रस्ट के सवाल पर अभी हाल ही में शारदा देवी मंदिर ट्रस्ट के विषय में जानकारी न दिए जाने पर प्रशासक और एसडीएम मैहर को 25 हज़ार रु जुर्माने का कारण बताओ नोटिस जारी करने संबंधी अपने आदेश का भी उन्होंने जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर आंशिक तौर पर भी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से वित्त पोषित संस्थाएं जिसमें शासन का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी प्रकार से योगदान रहता है वह सब आरटीआई के दायरे में आते हैं हालांकि जानकारी न देने से बचने के विभिन्न तरीके उनके द्वारा अपनाए जाते हैं लेकिन सफल नहीं हो पाते हैं।

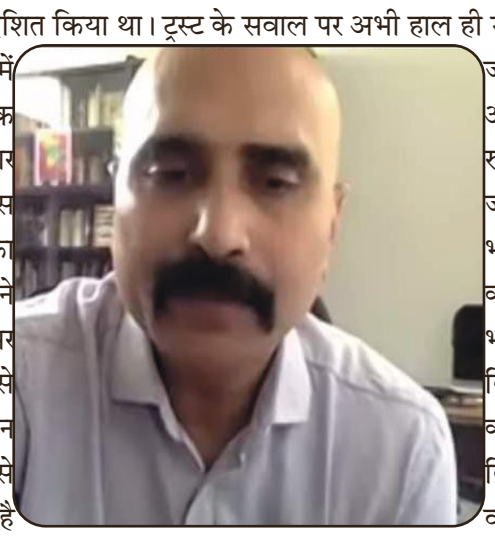

उन्होंने मत्स्य संघ सहकारी संस्था को आरटीआई के दायरे में लाने संबंधी मुख्य सूचना आयुक्तमध्यप्रदेश अरविंद्र कुमार शुक्ला के आदेश का भी हवाला दिया। इसी प्रकार दर्जनों प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने प्रतिभागियों के समाधान किए।

यदि आरटीआई कानून को मजबूत करना है तो सबको आगे आकर आवाज उठानी पड़ेगी

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी ने स्पष्ट तौर पर कहा की एक्जेम्प्सन को लेकर आरटीआई कानून को कमजोर किया जा रहा है। गिरीश रामचंद्र देशपांडे और अन्य जो भी निर्णय दिए गए हैं वह तर्कसंगत नहीं है और उन पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज बहुतायत में जानकारियां मात्र इसी कारण नहीं दी जा रही है जिससे आरटीआई कानून कमजोर होता जा रहा है। भास्कर प्रभु ने भी विस्तार से अपने विचार रखे और कहा की जो सूचना आयुक्त कार्य नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध मोर्चा खोला जाना चाहिए और न केवल जनता को बल्कि अच्छे कार्य करने वाले सूचना आयुक्तों को भी इसके विरुद्ध बात करनी चाहिए। आज ब्यूरोक्रेट्स क्षेत्र से आने वाले सूचना आयुक्तआयोगों में बैठकर मात्र जानकारियां दबा रहे हैं जो काफी चिंता का विषय है और इससे दिन प्रतिदिन आरटीआई कानून कमजोर होता जा रहा है

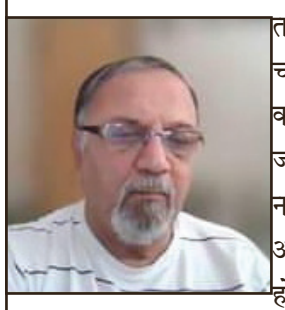

कार्यक्रम में देश के विभिन्न कोनों से आरटीआई एवं सामाजिक कार्यकर्ता, ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट और सामाजिक चिंतक जुड़े जिन्होंने अपने अपने प्रश्न रखें और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया।

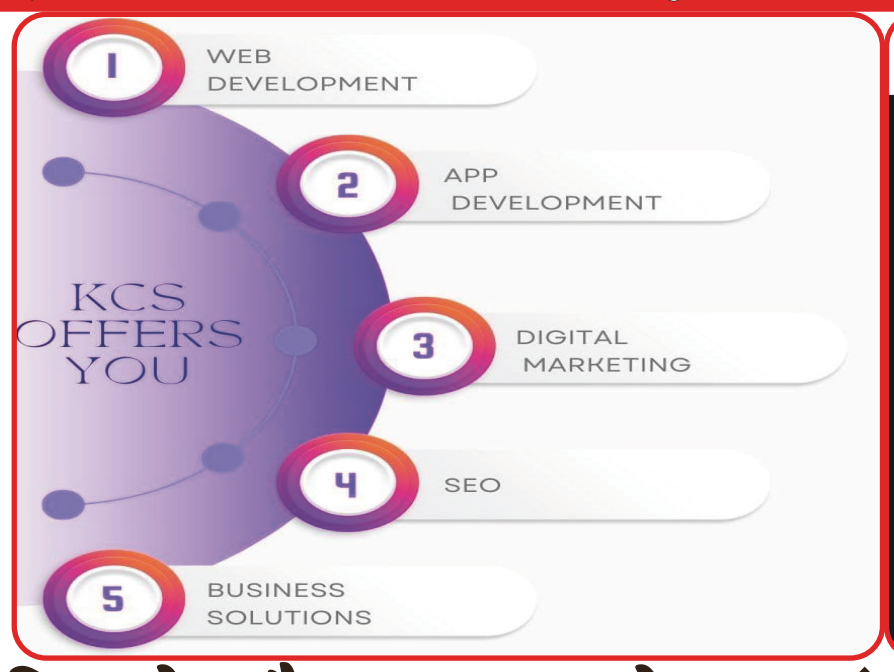

गोरखपुर से प्रदीप सिंह ने भी ग्राम पंचायत और मनरेगा से संबंधित जानकारी को लेकर उनके द्वारा लगाई गई आरटीआई पर जब जवाब नहीं मिला तो उसके विषय में चर्चा की जिस पर सूचना आयुक्तों ने बताया कि हमेशा ही आवेदक को बिंदुवार जानकारी मांगनी चाहिए एवं जानकारी बृहद किस्म की नहीं होनी चाहिए क्योंकि लोक सूचना अधिकारी मात्र जानकारी न देने का बहाना बनाते हैं इसलिए आवेदकों को बहुत ही सतर्क रहने की जरूरत है।

सूचना छिपाने और प्राप्त करने का संघर्ष सदियों पुराना है - राजेन्द्र गहरवार

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जुड़े पत्रिका सतना सागर संभाग के संपादक राजेंद्र सिंह गहरवार ने विस्तृत चर्चा की और चर्चा करते हुए सूचना प्राप्त करने संबंधी कई अनुभव साझा किए। उनके द्वारा बताया गया कि जब आरटीआई कानून अस्तित्व में नहीं था तब भी सूचना प्राप्त करने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ती थी और कहीं अगल बगल से जानकारियां प्राप्त कर पेपर पत्रिकाओं में छापना पढ़ता था। आरटीआई कानून आने के बाद यह सब काफी आसान हुआ है फिर भी जब लोक सूचना अधिकारियों के द्वारा जानकारियां समय पर नहीं दी जाती तो पेपर पत्रिकाएं महीनों तक इंतजार नहीं कर सकते इसलिए कहीं न कहीं से जानकारी प्राप्त करनी पड़ती है। अत: देखा जाए तो पेपर पत्रिकाओं में छपने छापने से संबंधित सूचनाएं आज भी 75 प्रतिशत से अधिक बिना आरटीआई के माध्यम से ही प्राप्त की जा रही है। राजेंद्र गहरवार ने बताया कि सूचना प्राप्त करने और छिपाने का यह जो सिलसिला है सदियों पुराना है। अखबार और पत्रकारिता से जुड़े हुए लोगों के लिए हमेशा ही सूचनाएं महत्वपूर्ण होती है जबकि गड़बड़ करने वाले और भ्रष्टाचार में संलिप्त लोगों के लिए सूचनाएं समाज तक न जा पाए इसका हमेशा ही भरसक प्रयास करते हैं। राजेंद्र गहरवार ने एक खुलासा किया और बताया कि सरकार बिजली के उपयोग के लिए 10 हजार करोड़ का पेमेंट बिजली कंपनियों को कर चुकी है लेकिन सच्चाई यह है कि आज भी हम आवश्यक बिजली के लिए परेशान हो रहे हैं।

मैहर शारदा मंदिर ट्रस्ट के विषय में उन्होंने बताया कि इसके पहले नित्यानंद मिश्रा अधिवक्ता जबलपुर के द्वारा जानकारियां चाही गई थी जिस के विषय में जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया गया था लेकिन आश्चर्य है कि एक बार पुन: जब आवेदक आनंद श्रीवास्तव के द्वारा आरटीआई दायर की गई और जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया तो प्रशासक और एसडीएम मैहर द्वारा जानकारी छुपाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा की रोपवे से संबंधित जानकारी चाही गई तो जो खुलासा हुआ उसमें पता चला कि रोपवे से आने जाने वाले लोगों का डाटा ही मौजूद नहीं है। इस प्रकार इसमें करोड़ों का घालमेल किया जाता रहा बाद में शिकायत हुई और कार्यवाही प्रचलित हैं।

ब्लैक मेलिंग जैसे मामलों की चर्चा करते हुए राजेंद्र सिंह गहरवार ने बताया कि न केवल आरटीआई कार्यकर्ता बल्कि पत्रकारों के ऊपर भी समय-समय पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं और देखा जाए तो सच्चाई यह है कि ब्लैकमेलिंग का प्रतिशत अत्यंत न्यून है जो शून्य दशमलव शून्य शून्य से भी कहीं नीचे है लेकिन उसकी आड़ में विभाग और अधिकारी आरटीआई कानून को कमजोर करना चाह रहे हैं। सरकार यह नहीं देखती कि आरटीआई कानून से कितना अधिक फायदा है। आम जनता अपने अधिकारों का प्रयोग कर पा रही है और सशक्त बन रही है। पत्रकारिता में भी कुछ लोग गलत उपयोग कर बदनाम करते रहते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं हुआ कि पूरा पत्रकारिता जगत ही गलत है क्योंकि यदि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ नहीं होता तो आज समाज का क्या होता स्वत: ही आकलन किया जा सकता है।

राजेंद्र गहरवार ने बस कंडक्टर और पत्रकार एवं अमर सिंह कलेक्टर रीवा के कार्यकाल में भूख से मरने वाले व्यक्ति से संबंधित प्रकाशन पर चर्चा करते हुए कुछ बड़े ही दिलचस्प उदाहरण प्रस्तुत किए।